CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 172 ता. 03 जनवरी 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

देश में कोरोना के मामलों में भारी उछाल

महाराष्ट्र और दिल्ली समेत इन राज्यों में दर्ज हुए रिकार्ड नए केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

देश में तीसरी लहर की आशंका के बीच एक बार फिर कोरोना के नए मामलों में भारी उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों के अंदर 3,194 नए मामले सामने आए हैं। राजधानी में कोरोना के कुल सक्रिय मामले अब 8,397 हो गए हैं। जिनमें से 307 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। 94 मरीजों को आक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है जबकि चार मरीज वेटिंलेटर पर हैं। वहीं, महाराष्ट्र में भी कोरोना के मामलों में उछाल देखा जा रहा है। रविवार को महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कोरोना वायरस के 8063 नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 578 लोग संक्रमण से ठीक हुए हैं। मुंबई में कोरोना के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 29,819 है।

महाराष्ट्र में आए कोरोना 11 हजार से ज्यादा नए मामले

पूरे राज्य के आंकड़ों की बात करें तो महाराष्ट्र में आज कोरोना के 11,877 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 2,069 लोग संक्रमण से ठीक हुए और 9 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले 42,024 हो गए हैं। रविवार को ओमिक्रोन वैरिएंट के 50 मामले आए हैं। राज्य में अब ओमिक्रोन के कुल 510 मामले हो गए हैं।

पश्चिम बंगाल में भी कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि का सिलसिला जारी है। राज्य में रविवार को लगातार पांचवें दिन कोरोना के मामलों में तेज उछाल देखा गया और इस सीजन में रिकार्ड 6,153 नए मामले सामने आए। इनमें से तीन हजार से अधिक यानी कुल 3,194 नए मामले अकेले राजधानी कोलकाता से हैं।

उत्तर प्रदेश में ओमिक्रोन वैरिएंट की दस्तक

कोरोना के नए मामलों के बढ़ने के साथ ही उत्तर प्रदेश में ओमिक्रोन वैरिएंट ने दस्तक दे दी है। अमेठी में बीते दिनों ब्रिटेन से लौटे पति-पत्नी के ओमिक्रोन वैरिएंट से संक्रमित होने से जिले में खलबली मची है। इसी बीच प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 552 नए केस भी सामने आए हैं।

केरल में आए करीब तीन हजार कोरोना के नए मामले

केरल में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2802 नए मामले दर्ज किए गए, इस दौरान संक्रमित मरीजों में से 12 लोगों की मौत हुई और 2606 लोग संक्रमण से ठीक हुए। केरल में आज ओमिक्रोन वैरिएंट के 45 नए मामले मिले हैं। अब राज्य में ओमिक्रोन संक्रमितों का आंकड़ा 152 पहुंच गया है। बता दें कि कोरोना के नए मामलों के बढ़ने के साथ ही लोगों में ओमिक्रोन वैरिएंट का भी खतरा है। देश में अबतक ओमिक्रोन के कुल मामले बढ़कर 1648 हो गए हैं। इनमें 580 लोग ठीक हो चुके हैं।

15-18 एज ग्रुप के लिए वैक्सीन रजिस्ट्रेशन का दूसरा दिन

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश में कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य तेजी पर है। नए साल के पहले दिन 15 से 18 साल के किशोरों के कोरोना वैक्सीन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की शुरुआत की गई। तीन जनवरी से इन्हें कोरोना का टीका लगाया जाएगा। इसी बीच कोविन पोर्टल पर रविवार सुबह तक साढ़े तीन लाख युवाओं ने कोरोना वैक्सीन के लिए अपना रजिस्ट्रेशन दर्ज कराया है, यह आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। दरअसल, 25 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 से 18 साल के आयु वर्ग के लिए टीकाकरण शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि तीन जनवरी को सोमवार के दिन से इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके साथ ही हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन की तीसरी प्रिकॉशन डोज की शुरुआत 10 जनवरी से होगी। 15-18 वर्ष आयु वर्ग के वैक्सीनेशन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सूचित किया गया था कि इस वर्ग में केवल 'कोवैक्सिन' ही दी जानी है। इसके साथ ही नए साल के पहले दिन 15 से 18 साल के किशोरों के कोरोना वैक्सीन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की शुरुआत की गई। यह प्रक्रिया कोविन पोर्टल पर शुरू हुई। रविवार सुबह तक साढ़े तीन लाख युवाओं ने कोरोना वैक्सीन के लिए अपना रजिस्ट्रेशन दर्ज कराया है। यह पोर्टल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है। वैक्सीन के लिए जो युवा रजिस्ट्रेशन नहीं करवा पाए उनका स्पॉट पर रजिस्ट्रेशन कर टीका लगाया जाएगा। इसके लिए आधारकार्ड या स्कूल के रिजल्ट का सर्टिफिकेट होना चाहिए, हालांकि सर्टिफिकेट में जन्मतिथि लिखा होना अनिवार्य होगा। इधर देशभर में कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। हर दिन लगातार केसेज में इजाफा हो रहा है। आज पूरे देश में कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 27 हजार के पार पहुंच चुकी है। पिछले 24 घंटे में कुल 27553 नए मामले दर्ज किए गए। इससे पहले शनिवार को देश के बड़े शहरों में कोरोना की खतरनाक रफ्तार देखी गई। इसमें मुंबई में 6347, दिल्ली में 2716 और कोलकाता में 2398 मामले सामने आए।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल पांडे को श्रद्धांजलि दी, औघड़नाथ मंदिर में की पूजा

मेरठ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पांडे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मंगल पांडे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फेंट्री (बीएनआई) रेजिमेंट में सिपाही (इन्फेंट्रीमैन) थे। उन्होंने 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने शहीद स्मारक स्थित संग्रहालय का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री मौसम खराब होने की वजह से हवाई मार्ग के बजाय सड़क मार्ग से मेरठ पहुंचे। प्रधानमंत्री यहां औघड़नाथ मंदिर में पूजा करने के बाद शहीद स्मारक गए और देश के लिए जान कुर्बान करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और इसकी परिक्रमा की। मेरठ छावनी स्थित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय सैनिकों को काली पलटन कहा जाता था। इसी मंदिर के आस-पास भारतीय सैनिक रहते थे और इसके चलते इस मंदिर को काली पलटन मंदिर के नाम से पुकारा जाने लगा। ऐसा कहा जाता है कि ब्रिटिश हुकूमत के दौरान भारतीय सैनिक औघड़नाथ मंदिर में पानी पीने के लिए आते थे, लेकिन मंदिर के पुजारियों ने भारतीय सैनिकों के मंदिर में मौजूद कुएं से पानी पीने का विरोध किया, क्योंकि वे जिन कारतूसों का इस्तेमाल करते थे, उनमें गाय की चर्बी मिली होती थी। इसी के बाद यहीं से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारतीय सैनिकों में विद्रोह की ज्वाला भड़की थी और 1857 की क्रांति की शुरुआत हुई थी।

मेरठ की उर्जावान भूमि का लोगों ने दुरुपयोग किया, पर

अब डबल इंजन की सरकार कर रही काम : मोदी

मेरठ की उर्जावान भूमि का लोगों ने दुरुपयोग किया, पर -पीएम मोदी ने मेरठ में मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय का किया शिलान्यास

मेरठ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेरठ में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि यहां की उर्जावान भूमि का लोगों ने दुरुपयोग किया, पर अब डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर खेल नगरी के सरधना में रविवार को मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। करीब सात सौ करोड़ की लागत से तैयार होने वाले इस विश्वविद्यालय को योगी आदित्यनाथ सरकार ने करीब ढाई वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर खेल प्रदर्शनी का अवलोकन करने के साथ कुछ उपकरणों पर अपना हाथ भी आजमाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण सड़क मार्ग से मेरठ पहुंचे। मेरठ आगमन पर भगवान औघडऩाथ का दर्शन-पूजन करने के साथ ही उन्होंने कालीघाट में शहीद स्मारक का भी अवलोकन दिया। इसके बाद उन्होंने सरधना में बटन दबाकर मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इसके बाद खिलाडिय़ों, खेल प्रेमियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों को संबोधित किया। उन्होंने वहां पर लोगों को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ तथा पहले की सरकार के कामकाज के फर्क को खेल से जोड़ते हुए समझाया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत माता की जय के साथ संबोधन शुरू करने के साथ ही सभी लोगों को वर्ष 2022 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्ष की शुरुआत में ही मेरठ आना सौभाग्य की बात है। मेरठ का इतिहास काफी गौरवशाली है। मेरठ ने देश की आस्था को ऊर्जावान किया है। सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर पहले स्वतंत्रता संग्राम तक इस धरती ने दिखाया है देश का गौरव क्या होता है। मेरा सौभाग्य है कि मैं भगवान औघडऩाथ मंदिर व शहीद स्मारक गया। पीएम मोदी ने कहा कि 1857 की क्रांति में मेरठ ने नई दिशा दी। आज हम गर्व से आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। राष्ट्र रक्षा के लिए, सीमा पर बलिदान हो या फिर खेल के मैदान में राष्ट्र के लिए सम्मान। इस क्षेत्र ने सदा अपनी लौ को प्रज्ज्वलित रखा है।

भारत के इतिहास में मेरठ का स्थान केवल एक शहर का नहीं। यह हमारी संस्कृति का अहम केंद्र है। नूरपुर मढिया ने चौधरी चरण सिंह जैसा विजिनरी नेता दिया। देश की शान मेजर ध्यानचंद की कर्मस्थली मेरठ भी रहा है। हमने खेल के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम दददा के नाम कर दिया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए पीएम के सड़क मार्ग से नई दिल्ली से मेरठ आने का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पहले खेल विवि का नाम मेजर ध्यानचंद के नाम पर रखा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने टोक्यो ओलिंपिक और पैरालिंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों का सम्मान किया। इसके साथ ही हमने गांवों में जिम, खेल मैदान प्रदेश सरकार ने दिया। प्रदेश की सरकार ने कांवड़ यात्रा को फिर से शुरू कराया और महिलाओं को सुरक्षा मुहैया कराई। इससे पहले प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने मेरठ शहीद स्मारक का भी अवलोकन किया और बाबा औघडऩाथ मंदिर में दर्शन पूजन भी किया।

इसके बाद राज्यापाल आनंदीबेन पटेल तथा सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ मंदिर की परिक्रमा भी की। इसके बाद पीएम मोदी के वाहनों का काफिला शहीद स्मारक पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काली पलटन शहीद स्मारक शहीद स्मारक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यहां शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

दुनिया में सबसे तेज वृद्धि दर हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत : गोयल

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंची बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे 'सामान्यीकरण' की ओर बढ़ रही है, लेकिन कमजोर क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन और समर्थन जारी रहेगा। उन्होंने कहा आगामी बजट में सरकार द्वारा मजबूती के पथ पर कायम रहने की घोषणा से नियंत्रण और अनुकूलता को लेकर एक अच्छा संकेत मिलेगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री गोयल ने कहा भारत बेहतर वृहद आर्थिक मानदंडों के आधार पर काफी मुश्किल समय से बाहर निकल आया है। भारत की वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंची रहने की उम्मीद है। इसके अलावा महंगाई दर भी संतोषजनक स्तर पर रहेगी। गोयल ने कहा कि मौद्रिक-राजकोषीय समन्वय ने अच्छा काम किया है और प्रोत्साहन पर्याप्त हैं, लेकिन इन्हें अत्यधिक नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि हम सामान्यीकरण की दिशा में धीरे-धीरे कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के लिए कुछ प्रोत्साहन और समर्थन जारी हैं। उन्होंने कहा कि देश के वित्तीय क्षेत्र की सेहत दुरुस्त है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है।

सांप्रदायिक नफरत तभी बंद होगी जब सब इसके खिलाफ खड़े होंगे: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को मुस्लिम महिलाओं की 'नीलामी' करने वाले ऐप के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपमान और सांप्रदायिक नफरत तभी रुकेगी जब सभी एक आवाज में इसके खिलाफ खड़े होंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, 'महिलाओं का अपमान और सांप्रदायिक नफरत तभी बंद होंगे जब हम सब एक आवाज में इसके खिलाफ खड़े होंगे। साल बदला है, हाल भी बदलो- अब बोलना होगा! दिल्ली की एक पत्रकार द्वारा दिल्ली पुलिस में एक संदिग्ध वेबसाइट के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। महिला पत्रकार ने आरोप लगाया है कि उनकी इस ऐप पर उनकी तस्वीरें अपलोड की गई हैं। इस मामले पर कई राजनेताओं ने इसकी निंदा की है व दिल्ली पुलिस ने शनिवार रात प्राथमिकी दर्ज की है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऐप को ब्लॉक कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई को लेकर पुलिस के साथ समन्वय किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, 'गिटहब ने आज सुबह ही यूजर को ब्लॉक करने की पुष्टि की। सीईआरटी और पुलिस अधिकारी आगे की कार्रवाई में समन्वय कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 509 और 354 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। पत्रकार का आरोप है कि 'बुली बाई' पोर्टल पर लोगों के एक अज्ञात समूह द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच की जा रही है।

दिल्ली में दोगुना रफ्तार से बढ़ रहा कोरोना

नई दिल्ली । दिल्ली में ओमिक्रॉन की दस्तक के बाद से कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा जारी है। बीते तीन दिन के अंदर दिल्ली में रोजाना आने वाले कोरोना के मरीजों से लेकर कंटेनमेंट जोन दोगुनी रफ्तार से बढ़े है। शनिवार को दिल्ली में कोरोना के 2700 से अधिक नए मरीज मिले। जबकि कंटेनमेंट जोन की संख्या 1200 को पार कर गई। वहीं संक्रमण दर में तीन फीसदी से अधिक की वृद्धि देखने को मिली है। दिल्ली सरकार द्वारा शनिवार को जारी कोविड-19 स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार शनिवार को कोरोना के नए 2716 मरीज मिले। पिछले वर्ष की 22 मई के बाद दिल्ली में एक दिन में सर्वाधिक कोरोना के मामले सामने आए है उस दिन कोरोना के 2260 मामले दर्ज हुए थे। वहीं बीते तीन दिन के कोरोना के रोजाना के मामलों पर नजर डाले तो 30 दिसंबर 2021 को 1313 मरीज मिले थे। जबकि एक जनवरी 2022 में तीन दिन के अंदर दोगुना से अधिक मरीज एक दिन में सामने आए है। ऐसी ही स्थिति कंटेनमेंट जोन को लेकर भी है। दिल्ली में 30 दिसंबर को कंटेनमेंट जोन 645 थे जो शनिवार को लगभग दोगुना हो गए। 30 दिसंबर को दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 645 थी।

नए साल पर 634 रुपये में खरीदें एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली । नए साल पर आप भी 634 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर खरीद सकते हैं। अगर आप यह सोच रहे हैं कि 14.2 किलोग्राम एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती हुई है तो ऐसा नहीं है। हम बात कर रहे हैं कंपोजिट सिलेंडर की, जिसमें गैस दिखती भी है और 14.2 किलो गैस वाले भारी भरकम सिलेंडर से हल्का भी है। दिल्ली में 10 किलोग्राम कंपोजिट गैस सिलेंडर 634 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, लखनऊ में कंपोजिट सिलेंडर के लिए 660 रुपये देने होंगे। 1 जनवरी 2022 को दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 102 घटकर 1998.5 हो गई हैं। बता दें, 31 दिसंबर तक 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के लिए दिल्ली वालों को 2101 रुपये देने होते थे। जहां चेन्नई में अब 19 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर के लिए 2131 रुपये तो वही मुंबई में 1948.50 रुपये देने होंगे। नई कीमतें जारी होने के बाद कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 2076 रुपये में खरीदा जा सकता है। करीब 6 दशक की यात्रा के बाद घरेलू सिलेंडर में गैस कंपनियों ने बदलाव किया। बाजार में आ चुका कंपोजिट सिलेंडर लोहे के सिलेंडर के मुकाबले 7 किलो हल्का है। इसमें थ्री-लेयर हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रकाशित दावों का खंडन किया,

कोरोना टीकाकरण तेजी से आगे बढ़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रकाशित उस दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि कोरोना के खिलाफ अपने वैक्सीनेशन लक्ष्य से भारत पीछे रह गया है।मंत्रालय ने कहा, प्रकाशित लेख में दावा किया गया है, कि भारत अपने टीकाकरण लक्ष्य से चूक गया है।यह भ्रामक है और पूरी तस्वीर का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत का राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम कई विकसित पश्चिमी देशों की तुलना में सबसे सफल और सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रमों में से एक रहा है, जहां आबादी काफी कम है। गौरतलब है कि शनिवार को कोविड-19 रोधी टीकों की 22 लाख से अधिक खुराक देने के साथ ही देश में अब तक दी गई कोविड-19 रोधी टीकों की खुराकों की संख्या 145.40 करोड़ से अधिक हो गई है।आंकड़े के अनुसार टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से अबतक 18-44 साल के लोगों को कोरोना टीकों की 50,04,54,035 पहली खुराक और 33,50,59,168 दूसरी खुराक दी गई।अबतक टीकों की 84,54,89,349 पहली और 60,85,62,479 दूसरी खुराक लगायी गई है। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 145.40 करोड़ के पार चला गया।देश भर में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसमें पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया था।

अग्रिम मोर्चा के कर्मियों का टीकाकरण दो फरवरी से शुरू हुआ था।कोविड-19 टीकाकरण का अगला चरण एक मार्च से 60 वर्ष से अधिक और 45 वर्ष और उससे अधिक आयु के गंभीर रोगों से लोगों के लिये शुरू हुआ। देश ने एक अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया।सरकार ने एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों के टीकाकरण की अनुमति दी।

पहले अपराधी अपना खेल खेलते थे, अब योगी जेल-जेल खेल रहे: मोदी

मेरठ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उप्र के मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले यहां अपराधी अपना खेल खेलते थे, अवैध खेलों के टूर्नामेंट होते थे, पहले की सरकार अपने ही खेलों में लगी रहती थी। लेकिन अब योगी सरकार अपराधियों के साथ जेल-जेल खेल रही है। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरठ देश की एक और महान संतान, मेजर ध्यान चंद जी की भी कर्मस्थली रहा है। कुछ महीने पहले केंद्र सरकार ने देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार का नाम दद्दा के नाम पर किया था। उन्होंने कहा कि क्रांतिवीरों की नगरी मेरठ अब खेलवीरों के नाम से भी अपना नाम उज्जवल करेगी। अब यूपी के युवाओं को खेल की दुनिया में छा जाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का मंत्र है, जिस मार्ग पर युवा चल जायें वही मार्ग, देश का मार्ग है। जिस मार्ग पर युवा बढ़ जायें, मंजिल अपने आप कदम चूमने लग जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर हमले करते हुए कहा कि पहले जो सत्ता में थे उन्होंने गन्ना का भुगतान रोक-रोक देते थे। योगी सरकार में गन्ने का बकाया भुगतान जितना हुआ है, उतना कभी नहीं हुआ। चीनी मिले कौड़ियों के भाव बेची जाती थीं। उन्होंने जनता से हामी भरवाई कि चीनी मिले बंद हुई या नहीं भ्रष्टाचार हुआ या नहीं। अब चीनी मिले खोली जाती हैं। अब यूपी एथनॉल के उत्पादन में भी अव्वल बन रहा है। 12 हजार करोड़ रुपये का एथनॉल अकेले यूपी से खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि आज योगी जी की सरकार, युवाओं की रिकॉर्ड सरकारी नियुक्तियां कर रही है। आईटीआई से ट्रेनिंग पाने वाले हजारों युवाओं को बड़ी कंपनियों में रोजगार दिलवाया गया है। नेशनल अप्रेंटिसशिप योजना हो या फिर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, लाखों युवाओं को इसका लाभ दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि सरकारों की भूमिका अभिभावक की तरह होती है। योग्यता होने पर बढ़ावा भी दे और गलती होने पर ये कहकर ना टाल दे कि लड़कों से गलती हो जाती है।

कब्रिस्तान-श्मशान नहीं यूपी में सरकार बनी तो बनाऊंगा स्कूल-अस्पताल: केजरीवाल

लखनऊ (एजेंसी)।

दिल्ली के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी अपनी पार्टी के लिए जमीन तैयार कर रहे आम आदमी पार्टी के मुखिया एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने रविवार को राजधानी में रैली कर यूपी में अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की। दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों के भांति यूपी में भी अरविन्द केजरीवाल ने वादों की झड़ी लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर सपा कब्रिस्तान बनाती है तो भाजपा श्मशान घाट। उन्होंने कहा कि मुझे एक मौका दीजिए मैं यूपी में स्कूल और अस्पताल बनाउंग... करते ... केजरीव... जी ने अमेरिका की ... विज्ञापन पर करोड़ों रुपये ... यूपी चुनाव को लेकर ... पोस्टरों पर तंज कसते ... के 106 और योगी ... समझ नहीं आता योगी ... रहे हैं या दिल्ली से। उन्हों... पर 300 यूनिट फ्री बिज... अधिक उम्र की सभी महिलाओं को हर महीने 1000-1000 रुपये देने का वादा करते हुए कहा कि फ्री बिजली देने का फार्मूला केवल मुझे आता है और कोई नहीं दे पाएगा। उन्होंने

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर तंज,

डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन 70 फीसदी अधिक संक्रामक, सामान्य लक्षण देख लापरवाही नहीं बरतें

नई दिल्ली । चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार देखने में आया है कि ओमिक्रॉन की वजह से कोरोना मरीजों को ज्यादा नुकसान नहीं हो रहा है। ओमीक्रॉन संक्रमण में फेफड़ों में पैचेज भले हो रहे हों, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हो रहा है। हालांकि यह शुरुआती जानकारी है, ठीक-ठीक जानकारी सामने आने में अभी कुछ दिन और लगेंगे। डेल्टा में शुरुआत में इतने गंभीर मामले देखने को नहीं मिले थे, लेकिन जब संक्रमितों की संख्या बढ़ी तो इनकी गंभीरता उभर कर सामने आ गई। ओमिक्रॉन के बहुत कम मरीजों में ऑक्सीजन का सैचुरेशन लेवल कम पाया गया है। शुरू में कहा जा रहा था कि इसका बिल्कुल असर नहीं है, लेकिन जब इंग्लैंड में पहली मौत हुई तो हर कोई सावधान हो गया। भारत में भी एक भी मामले में मरीज को आईसीयू, ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ी है। श्वसन विभाग के निदेशक डॉक्टर संदीप नायर ने कहा कि यह गलत धारना है कि ओमिक्रॉन एक हल्के लक्षण वाला वैरिएंट है, लेकिन यह बीमारी हल्की नहीं है और यह फैलती भी जल्दी है।

मां भोना देवी के स्मृति में हियुवा नेता ने जरूरतमंदों में किया कंबल वितरण

बड़हलगंज, गोरखपुर । हिन्दू युवा वाहिनी के निवर्तमान प्रदेश महामंत्री व प्रवक्ता राम लक्ष्मण ने अपनी मां भोना देवी के पुण्य स्मृति में विकास खण्ड के ग्राम गढ़वारामपुर में शनिवार को कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया । इस अवसर पर 350 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया । ठंड में गर्म अंगवस्त्र पाकर लोगों के हृदय से निकलने वाले आशीर्वाद उनके चेहरे के माध्यम से भी स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहे थे।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री रामलक्ष्मण ने कहा कि नर सेवा ही असल में नारायण सेवा है । जरूरतमंदों की मदद करना सबसे पुनीत कार्य है । मां भोना देवी गरीबों व निराश्रितों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया करती थीं । पूर्वजों के आशीर्वाद से ही लगभग दो दशक से लोक कल्याण के लिए सदैव समर्पित हूं । आगे उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा भी गरीबों को कडाके की ठंड से बचाने के लिये कंबल वितरण का कार्यक्रम चलाया है। जिसके तहत जनपद में राजस्व विभाग और आपदा राहत कोष से कंबल वितरण का कार्य कराया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि जाडे के कारण किसी भी गरीब के स्वास्थ्य तथा जान पर खतरा न आने पाये।

सरकार और प्रशासन की भी एक सीमा होती है। जब तक उन कार्यक्रमों में आम जनता और समाज का एक बडा हिस्सा सहयोगी नहीं होगा तब तक गरीबों तक मदद पंहुचाना संभव नहीं हो पायेगा। इसलिये आप सभी अपने अगल-बगल के गरीबों और निराश्रितों की मदद के लिये तहसील मुख्यालय से संपर्क करके उन्हें सरकारी योजना के तहत या स्वंय के खर्चे से भी उन तक गरम कपडे और कंबल पंहुचा सकते हैं। इस दौरान रेंगई प्रसाद, जितेन्द्र भारत, ठाकुर निषाद, सत्यनारायण मिश्रा, संतोष निषाद, राजेश शर्मा, राजेश कुमार शुक्ला, साहब पासवान, अभय सोनकर, रवि प्रकाश गुड्डू, छेदी प्रसाद, राजू , योगेश्वर, दीपक सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहें।

त्रिपुरा में वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। प्रशासनिक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के दौरान, महाराजा बीर बिक्रम (एमबीबी) हवाई अड्डे के एक नए टर्मिनल काउंटर, छह पार्किंग मार्ग, चार-यात्री बोर्डिंग ब्रिज और अन्य यात्री-अनुकूल सुविधाएं होंगी। तीस हजार वर्ग मीटर के एक निर्मित क्षेत्र के साथ, स्थल को एक वर्ष में 30 लाख यात्रियों के आवागमन के लिए डिजाइन किया है। जिलाधिकारी देबप्रिय बर्धन के अनुसार, अरविंद सिंह ने टर्मिनल भवन में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य का दौरा किया था। अगरतला हवाई अड्डे का डिजाइन और निर्माण 1942 में त्रिपुरा के तत्कालीन महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर देबबर्मन द्वारा किया गया था।

सीमा पार तस्करी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल मामले में मुल्तानी की संलिप्तता की भी जांच होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने संकेत दिया है कि एजेंसी जर्मनी स्थित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के सदस्य जसविंदर सिंह मुल्तानी के खिलाफ सीमा पार तस्करी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल में उसकी संलिप्तता की भी जांच करेगी। मुल्तान के खिलाफ हाल ही में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम का मामला दर्ज किया है।

सूत्र ने बताया कि ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटक और ड्रग्स की तस्करी के लिए किया गया है। आईएसआई द्वारा समर्थित पाकिस्तान स्थित आतंकवादी इसमें शामिल हैं। जसविंदर उन लोगों के संपर्क में है। उसका एक भारतीय संपर्क भी है, जो तस्करी के हथियार, विस्फोटक और ड्रग्स प्राप्त करता है। इसके द्वारा वह ड्रग्स और हथियारों को भारतीय क्षेत्र में फैला रहा है। हम इसकी जांच कर, इस संबंध में सबूत जुटा रहे हैं।पिछले साल पंजाब और जम्मू में सीमा पर लगभग 70 ड्रोन दिखने की सूचना मिली थी। इन ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तत्व भारत में हथियारों और नशीले पदार्थों की आपूर्ति के लिए करते थे। सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) ने कुछ ड्रोन मार गिराए थे। मुल्तानी पर एनआईए ने सहयोगियों के साथ भारत के खिलाफ साजिश रचने का मामला दर्ज किया था। मुल्तानी और उसके अन्य सहयोगियों के खिलाफ 30 दिसंबर को आईपीसी की धारा 120 बी, 121 ए और यूए (पी) अधिनियम की धारा 10, 13, 17, 18 और 18 बी के तहत मामला दर्ज किया गया था। एनआईए के अधिकारी ने कहा, मुल्तानी को बर्लिन में जर्मन अधिकारियों ने भारतीय एजेंसियों के इनपुट के बाद हिरासत में लिया था। इसके बाद में मुल्तानी ने जर्मन सरकार को हलफनामा दिया कि वह जांच में सहयोग करेगा। जर्मन सरकार ने बाद में मुल्तानी को छोड़ दिया।

अधिकारी ने कहा कि मुल्तानी विदेशों में स्थित कई अन्य खालिस्तान समर्थक तत्वों के साथ पंजाब को भारत से अलग करने के उद्देश्य से अपनी विचारधारा का प्रचार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंजाब में युवाओं को कट्टरपंथी, प्रेरित और भर्ती कर रहा था। एनआईए के अधिकारी ने कहा, वह आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए पंजाब में तस्करी नेटवर्क का उपयोग करके हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदने के लिए धन जुटाने में शामिल रहा है।

बंगाल में कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी, दीदी ने लागू किया मिनी लाकडाउन

कोलकाता (एजेंसी) ।

देश में कोरोना की रफ्तार तेज हो गई है। ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के बीच तीसरी लहर के संकेत मिल रहे हैं।इस बीच पश्चिम बंगाल ने नई पाबंदियों का ऐलान किया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी शैक्षणिक संस्थाओं को बंद करने की घोषणा की,कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोलने की अनुमति, पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक केवल आवश्यक सेवाओं की अनुमति। लोकल ट्रेन सोमवार से 50 प्रतिशत क्षमता के साथ शाम सात बजे तक चलेंगी; पार्लर, जिम बंद रहने वाले है। बंगाल के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने सभी स्कूलों और कॉलेजों के साथ-साथ सिनेमा हॉल, जिम और स्विमिंग पूल और ब्यूटी सैलून को बंद करने सहित नए कोविड प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। सरकारी और निजी कार्यालयों में उपस्थिति 50 प्रतिशत पर सीमित रहेगी। ब्रिटेन से सीधी उड़ानें, जिसने पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 मामलों की एक चौंका देने वाली बढ़ोतरी हुई है, जिसमें अधिक संक्रामक ओमिक्रोन स्ट्रेन भी शामिल है, को भी रोक दिया गया है। दिल्ली और मुंबई से कोलकाता के लिए उड़ानें सप्ताह के केवल दो दिन, सोमवार और शुक्रवार को ही अनुमति दी जाएंगी।राज्य में सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समारोहों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अधिकतम 50 लोगों को ही अनुमति दें।शॉपिंग मॉल और मार्केट कॉम्प्लेक्स लोगों के प्रतिबंधित प्रवेश यानी एक समय में क्षमता से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों को आने की इजाजत नहीं और रात 10 बजे तक खुले रह सकते हैं।रेस्तरां और बार एक बार में 50 प्रतिशत क्षमता के साथ और रात 10 बजे तक संचालित हो सकते हैं। सिनेमा हॉल और सिनेमाघरों के लिए भी समान प्रतिबंध और समय लागू होगा। एक बार में अधिकतम 200 लोगों या हॉल की 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता, जो भी कम हो, के साथ मीटिंग और कॉन्फ्रेंस की अनुमति होगी।विवाह संबंधी समारोहों में 50 से अधिक व्यक्तियों को अनुमति नहीं दी जाएगी।अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 20 से अधिक व्यक्तियों को अनुमति नहीं दी जाएगी।

बंगाल में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।जो पिछले दिन की तुलना में 1,061 मामले अधिक हैं।

ओमीक्रोन से बिलकुल न घबराने की जरुरत नहीं: योगी

बचाव के उपायों का पालन करने की अपील

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को ओमीक्रोन से बिलकुल न घबराने की सलाह देकर कहा है कि इससे संक्रमित व्यक्ति चार से पांच दिन में पूरी तरह से ठीक हो जाता है।मुख्यमंत्री ने लोगों से बचाव के उपायों का पालन करते रहने की अपील की।योगी ने साथ ही मीडिया को सलाह दी कि वह सकारात्मक खबरें दिखाए ताकि पीड़ितों का हौसला बढ़े। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद और रायबरेली में ओमीक्रोन के मामले सामने आए थे, लेकिन चार से पांच दिन में सभी रोगी ठीक हो गए।उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन कमजोर है, इससे पहले के स्वरूप डेल्टा से पीड़ित व्यक्ति को ठीक होने में 15 से बीस दिन लग रहे थे लेकिन ओमीक्रोन से पीड़ित रोगी चौथे दिन से सातवें दिन में ठीक हो जाता है।सीएम योगी ने कहा,'' गाजियाबाद और रायबरेली में ओमीक्रोन के मामले सामने आए थे, लेकिन सब रोगी ठीक हो गए।यह एक सामान्य वायरल बुखार की तरह है, लेकिन सतर्कता और सावधानी बहुत जरूरी है। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब हम किसी महामारी से लड़ रहे हों, तब लोगों को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। बीमारी केवल शारीरिक नहीं होती है, बल्कि मानसिक भी होती है।इसकारण मानसिक रूप से बहुत मजबूत रहना चाहिए।हमें सकारात्मक बातों से जनता के आत्मविश्वास को बढ़ाना चाहिए।योगी ने कहा,लॉकडाउन के दौरान लोगों ने रामायण को बहुत पसंद किया, जब हम सकारात्मक चीजें दिखाएंगे तो लोगों के मन में एक नया उत्साह पैदा होगा।किसानों की नाराजगी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा,पश्चिमी उत्तरप्रदेश में सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा था, केवल व्यक्ति ही नहीं किसानों के पशु गौवंश, घोड़ा, बकरी आदि भी सुरक्षित नहीं थे।यहां तक कि खेत में जो मोटर लगाते थे, वह भी सुरक्षित नहीं रहती थी, सब चोरी हो जाता था।सुरक्षा एक बहुत बड़ा मुद्दा थी, लेकिन आज ऐसा नहीं है।

उन्होंने किसानों के लिए किए गए कार्यों का जिक्र कर कहा,किसानों के गन्ना मूल्य का जो भुगतान हुआ, पांच वर्ष में जितना हम लोगों ने किया उतना दस वर्षों में नहीं हुआ।जबकि इसमें करीब डेढ़ से पौने दो वर्ष कोरोना से मुकाबला करने में बीत गए, इसके बावजूद चीनी मिल चल रही हैं। गन्ने का डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक बकाया का भुगतान हो चुका है।योगी ने कहा,पंजाब और हरियाणा में खरीद आढ़तियों के माध्यम से होती है।लेकिन राज्य में हम सीधे किसान से खरीदते हैं।इसकारण किसान आंदोलन यहां बहुत सफल नहीं हुआ।धरना प्रदर्शन अलग है, लेकिन व्यवस्था भंग नहीं हुई।हम लोगों ने उसी दौरान प्रधानमंत्री की रैली अलीगढ़ में कराई, उसी दौरान मेरठ, सहारनपुर में और पश्चिमी उप्र के हर एक जनपद में हमारे कार्यक्रम हुए।उन्होंने कहा,'' पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी इलाकों में बहुत अच्छे वोटों से जीती, एकाध जगह को छोड़कर सभी जगह बेहतर प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा,भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद हम लोगों ने अवैध तस्करी को रोक दिया। अवैध बूचड़खानों को बंद किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नए साल पर भी जहरीली हवा से नहीं मिला छुटकारा

नई दिल्ली । साल के पहले दिन दिल्ली वालों ने मानकों से तीन गुना ज्यादा प्रदूषित हवा में सांस ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शनिवार के दिन दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा। जबकि, दिल्ली के चार इलाके ऐसे रहे जहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के अंक से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में रहा। राजधानी दिल्ली के लोगों को नए साल में भी प्रदूषण से भरी जहरीली हवा से छुटकारा नहीं मिला। सीपीसीबी के मुताबिक शनिवार की शाम को चार बजे दिल्ली की हवा में प्रदूषक कण पीएम 10 का स्तर 300 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 2.5 का स्तर 188 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होना चाहिए। तभी उसे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। इस अनुसार देखा जाए तो दिल्ली की हवा शनिवार के दिन तीन गुना ज्यादा प्रदूषित रही। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 362 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बेहद खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 321 के अंक पर रहा था। चौबीस घंटों के भीतर ही इसमें 41 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। चिंता की बात यह है कि दिल्ली के चार इलाकों की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। शनिवार के दिन नेहरू नगर, पंजाबी बाग, जहांगीरपुरी और आनंद विहार का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के अंक के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में रहा।

सीएम ठाकरे ने किया बड़ा ऐलान, 500 वर्ग फुट तक के घर पर नहीं लगेगा प्रॉपर्टी टैक्स

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहन मुंबई नगर पालिका (बीएमसी) चुनाव अभियान का शंखनाद करते हुए बड़ा ऐलान किया है। उद्धव ठाकरे ने घोषणा की है कि 500 वर्ग फुट से कम के घरों पर प्रॉपर्टी टैक्स माफ हो जाएगा। गौरतलब है कि मुंबई में अगले महीने बीएमसी का चुनाव होने वाला है। कई अन्य घोषणाओं के अलावा टैक्स संबधी इस घोषणा को बीएमसी चुनाव प्रचार से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम के इस फैसले से लाखों मीडिल क्लास और लोअर मीडिल क्लास लोगों को फायदा होगा। ये दोनों वर्ग शिवसेना के कोर वोटर माने जाते हैं। ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बीएमसी चुनाव के लिए कमर कसने को कहा है। महाराष्ट्र सरकार की घोषणा के तहत मुंबई नगरपालिका क्षेत्र की सीमा के भीतर अंदर अब 500 वर्ग फुट तक की आवासीय इकाइयों पर प्रॉपर्टी टैक्स नहीं लगेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिन में पहले शहरी विकास विभाग की बैठक में इस फैसले की घोषणा की। शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, इस फैसले से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की सीमा में 500 वर्ग फुट से कम के 16 लाख से अधिक घरों के मालिकों को फायदा होगा। एक अधिकारी ने कहा कि छूट के बाद बीएमसी को 468 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने की उम्मीद है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस और विपक्षी नेताओं पर पलटवार कसते हुए कहा है कि मैं कोई वादा भूलने वाला नहीं हूं। मैं उनलोगों में से नहीं हूं जो चुनाव के समय चांद, तारे तक लाने का वादा कर देते हैं और बाद में मुकर जाते हैं। जब उनसे जनता पूछती है तो वे कहते हैं ऐसा तो चुनाव में कहा था। दरअसल, 2017 में बीएमसी चुनाव के समय शिवसेना ने वादा किया था कि अगर वह फिर से वह चुनाव जीते तो 500 वर्ग फुट तक के घरों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ किया जाएगा। उसके बाद से भाजपा की ओर से सवाल उठाए जा रहे थे कि शिवसेना ने अपना वादा पूरा नहीं किया है, लेकिन आज जब इसका एलान किया गया तो शिवसेना की तरफ से कहा गया कि शिवसेना जो वादा करती है, वह पूरा करती है।

देश में ओमिक्रोन की दहशत, कई राज्यों में शुरु हुआ स्कूल-कॉलेज को बंद करने का दौर

नई दिल्ली। देश में कोरोना और ओमिक्रोन वैरिएंट 23 राज्यों में फैल चुका है। दिल्ली और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा केस सामने आ रहे हैं। दिल्ली सहित कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। कई कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम फिर से शुरू करना पड़ा है।वहीं शिक्षण संस्थानों में कोरोना तेजी से फैल रहा है। जम्मू-कश्मीर के श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी में 13 छात्र कोरोना संक्रमित मिले हैं।कोरोना मामले मिलने के बाद कटरा में मौजूद यूनिवर्सिटी के काकरयाल कैंपस को बंद कर दिया गया है। वहीं उत्तराखंड में कोरोना के मामले तेजी बढ़ने के साथ ओमिक्रोन का खतरा भी बढ़ने लगा है।सुयालबाड़ी में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय गंगरकोट में एक साथ 85 छात्रों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि होने से हड़कंप मचा गया है। एक साथ 85 छात्रों के संक्रमित होने से प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग भी हरकत में आ गया है। फिलहाल सभी बच्चों को स्कूल में ही आइसोलेट किया गया है। अब तक कुल 96 बच्चों में कोरोना के लक्षण मिले हैं। साथ ही क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय सौनगांव में तैनात शिक्षक की भी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दिल्ली में यलो अलर्ट घोषित होते ही सभी स्कूल अगले आदेश तक बंद हैं। दिल्ली शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अगले आदेश तक सभी स्कूल बंद करने वाले हैं। सरकारी, गैर सरकारी, एमसीडी, दिल्ली छावनी बोर्ड के स्कूल नहीं खुलने वाले है। उत्तरप्रदेश में बेसिक के बाद अब 12वीं तक के स्कूलों को भी 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक बंद करने का फैसला किया गया है। इससे पहले यूपी में 8वीं तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी हुआ था। हरियाणा सरकार ने कोरोना की रोकथाम के मद्देनजर गुरुग्राम, फ़रीदाबाद, अंबाला, पंचकुला और सोनीपत में सिनेमा हॉल, थिएटर, स्कूल, कॉलेज, जिम इत्यादि को बंद करने के आदेश दिए हैं। अभी के लिए 12 जनवरी तक महामारी अलर्ट की अवधि बढ़ा दी गई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोविड मामलों की बढ़ती संख्या के बीच राज्य में स्कूल और कॉलेज कुछ समय के लिए बंद कर दिए हैं। ममता बनर्जी ने प्रशासनिक बैठक कर अधिकारियों से राज्य में मौजूदा महामारी की स्थिति की समीक्षा करने और शहर में संक्रमण की उच्च दर को देखते हुए कोलकाता में कंटोनमेंट जोन की पहचान करने के लिए कहा। इस बीच, महाराष्ट्र से खबर है कि यहां स्कूल-कॉलेज फिर से बंद करने पर एक बार फिर फैसला हो सकता है।

सार समाचार

9 दिन से घरों में कैद चीन के एक करोड़ 30 लाख लोग, आई भुखमरी की नौबत

कोरोना वायरस की शुरूआत साल 2019 में हुई थी। चीन से शुरू हुए इस वायरस ने पूरी दुनिया को घरों के भीतर कैद कर दिया। देशो ने अपनी सीमाएं बंद कर दी और बड़े पैमाने पर यात्रा को बंद कर दिया गया। कोविड -19 मामलों को नियंत्रित करने के लिए चीन की रणनीति चर्चा का विषय रही है क्योंकि देश ने 2020 में वुहान में पहला लॉकडाउन लागू की थी जो 76 दिनों के बाद समाप्त हुई थी। अब लाखों चीनी निवासी शियान शहर में एक और सख्त लॉकडाउन के तहत रह रहे हैं। चीन के कई शहरों में लॉकडाउन के बीच भुखमरी की नौबत आ गई है। चीन के शियान में लोगों ने कई दिनों से खाना नहीं खाने की शिकायत की है। चीन के शियान शहर में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि लॉकडाउन में की जा रही अनावश्यक कड़ाई की वजह से उनके पास खाने का भोजन तक नहीं हैं। दूसरी तरफ चीनी अधिकारियों ने दावा किया है कि लोगों को पर्याप्त भोजन की सप्लाई की जा रही है। इस शहर में एक करोड़ 30 लाख लोग पिछले नौ दिनों से अपने-अपने घरों में कैद हैं।

1 करोड़ 30 लाख की आबादी कैद

शियान में लॉकडाउन का ऐलान हाल में ही कोरोना के मामलों के बढ़ने के बाद लगाया गया है। साल के आखिरी दिनों में चीन में एक बार फिर कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। शियान में लोगों ने शिकायत की है कि उनके पास घर का जरूरी सामान भी खत्म हो रहा है। बता दें कि चीन के 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले शहर शियान में लोग पिछले छह दिनों से घरों में कैद हैं। विंटर ओलंपिक की वजह से परेशान सरकार ने सख्त लॉकडाउन लगा दिया।

अमेरिका के मिसीसिपी में नये साल के मौके पर हुई पार्टी में गोलीबारी, तीन मरे, चार घायल

गल्फपोर्ट। मिसिसिपी में नये साल के मौके पर हुई पार्टी में कई लोगों द्वारा गोलीबारी करने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गल्फपोर्ट नव वर्ष पार्टी शुरू होने के बाद हुई झड़प में लोगों ने गोलीबारी शुरू कर दी इस संबंध में अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। हैरिसन काउंटी के कोरोनर ब्रायन स्विट्जर ने मीडिया को बताया कि मारे गए तीन लोगों की पहचान डी इबरविल के 23 वर्षीय कोरी डुबोस, गल्फपोर्ट के 28 वर्षीय सेड्रिक मैककॉर्ड और बे सेंट लुइस के 22 वर्षीय ऑब्रे लुईस के रूप में हुई है। प्रशासन के अनुसार एक घायल की हालत नाजुक है, वैसे उसका नाम नहीं बताया गया है।

फ्रांस में संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच छह साल के बच्चों के लिए मास्क अनिवार्य

पेरिस। फ्रांस में कोविड-19 के मामलों में तेज बढ़ोतरी के बीच अधिकारियों ने शनिवार को घोषणा की कि छह साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों को बंद सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना होगा। फ्रांस में लगातार चौथे दिन कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमण के 200,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। सरकार मास्क पहनने के लिए बच्चों की उम्र 11 साल से घटाकर छह साल करके स्कूलों को बंद करने से बचने की कोशिश कर रही है। फ्रांस में सोमवार से कक्षाएं फिर से शुरू होंगी और छोटे बच्चों को सार्वजनिक परिवहन, खेल परिसरों और पूजा स्थलों में मास्क पहनना होगा। मास्क पहनना अनिवार्य करने संबंधी यह आदेश पेरिस और ल्योन जैसे शहरों तक बढ़ा दिया गया है। यहां हाल में घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। नए साल के पहले दिन फ्रांस में संक्रमण के 219,126 नए मामले सामने आए, जो 2021 के अंतिम दिन 232,200 के दैनिक मामलों से थोड़ा कम है। फ्रांस सरकार तेजी से फैलने वाले ओमीक्रोन स्वरूप से आई महामारी की पांचवीं लहर को अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाए बिना काबू करने का प्रयास कर रही है। फ्रांस में कोविड-19 से 123,000 लोगों की जान गई है।

उत्तरी पाकिस्तान में 5.3 की तीव्रता के भूकंप के झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी हिस्से स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुछ इलाकों में शनिवार को 5.3 की तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। भूकंप के झटके प्रांत की राजधानी पेशावर में भी महसूस किये गए जिससे निवासियों में दहशत उत्पन्न हो गई। भूकंप शाम लगभग सवा छह बजे आया और इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा से लगे इलाके में जमीन से 180 किलोमीटर नीचे स्थित था। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भूकंप के झटके स्वात घाटी, पेशावर, लोअर दीर, स्वाबी, नौशेरा, चित्राल, मर्दन, बाजौर, मलकंद, पब्बी, अकोरा, इस्लामाबाद और इसके आसपास के इलाकों में महसूस किए गए। ह्यडॉनह्व अखबार की खबर के अनुसार, बड़ी संख्या में निवासी दहशत में सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए अपने घरों से बाहर निकल आए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। पिछले साल 24 दिसंबर को स्वात और खैबर पख्तूनख्वा के अन्य इलाकों में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, इसका केंद्र हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला में 226 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। पिछले साल आठ दिसंबर को कराची के कुछ हिस्सों में 4.1 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। निगरानी केंद्र ने कहा कि इसका केंद्र डीएचए कराची से 15 किलोमीटर उत्तर में जमीन से 15 किलोमीटर नीचे स्थित था।

मध्य पश्चिमी अमेरिका में बर्फबारी, नए साल पर ठंड ने दी दस्तक

शिकागो (अमेरिका)। मध्य पश्चिमी अमेरिका में नव वर्ष के पहले दिन बर्फबारी के साथ सर्दी की शुरूआत हो गई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार को बर्फबारी आरंभ हुई और रविवार सुबह तक छह इंच बर्फ गिरने की संभावना है। मिशिगन में मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि शनिवार रात को भारी बर्फबारी हुई और पश्चिमी मिशिगन के इंटरस्टेट 94 में छह इंच और राज्य के दक्षिणपूर्वी हिस्से में तीन से पांच इंच तक बर्फ गिरने का

पूवार्नुमान है। शिकागो और आसपास के उपनगरों में दक्षिण-पश्चिम से आने वाली सर्द हवाएं और मिशिगन झील से आने वाली उत्तरपूर्वी हवा चल रही है। मौसम वैज्ञानिक ब्रेट बोरचर्ड ने ह्यशिकागो ट्रिब्यूनह्व से कहा, अंततः सर्दी आ गई है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने वाहन चालकों को सचेत किया है कि बारिश और बर्फबारी के कारण सड़कों पर फिसलन पैदा हो सकती है और दृश्यता का स्तर कम हो सकता है।

कोलो में जंगल की आग में सब कुछ खाक होने के बाद विलियम क्लेन नामक एक नागरिक अफसोस की मुद्रा में।

अमेरिका के कोलोराडो में जंगल में लगी भयंकर आग, एक हजार मकान जलकर खाक

सुपीरियर (अमेरिका)। अमेरिका में कोलोराडो राज्य के एक जंगल में लगी आग की चपेट में आने से करीब एक हजार मकान और अन्य ढांचे जलकर खाक हो गए और तीन लोग लापता हैं। बोल्डर काउंटी के शेरिफ (काउंटी में कानूनी मामलों के अधिकारी) जो पेले ने शनिवार को बताया कि जांच अधिकारी आग के कारणों का पता लगा रहे हैं। बृहस्पतिवार से भड़की आग के कारण डेनवेर और बोल्डर शहरों के बीच के इलाकों में धुआं भर गया और आसमान में लपटें उठती दिखीं। काउंटी के एक अधिकारी ने बताया कि यह जांच की जा रही है कि कहीं सुपीरियर शहर के पश्चिम में करीब 3.2 किलोमीटर क्षेत्र में फैले घास के मैदान से तो आग नहीं फैली। आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर दी गई है। अधिकारियों ने पूर्व में बताया था कि शुक्रवार तक 500 से ज्यादा मकान आग से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आग की भयावहता को देखते हुए इलाके से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया था। बोल्डर काउंटी की प्रवक्ता जेनिफर चर्चिल ने बताया कि विभिन्न जगहों से तीन लोगों के लापता होने की आशंका है। पेले ने बताया कि लुइसविले में 553, सुपीरियर में 332 और काउंटी के अनिगमित हिस्सों में 106 मकान आग में जलकर खाक हो गए। उन्होंने आशंका जताई कि यह संख्या बढ़ सकती है। डेनवेर से उत्तर पश्चिम में करीब 32 किलोमीटर दूर लुइसविले और सुपीरियर के आसपास के जंगल में लगी आग की घटना से कम से कम सात लोग घायल हो गए।

कोरोना से जंग में अफगानिस्तान की मदद को आगे आया भारत, 500,000 कोविड-19 वैक्सीन कीं गिफ्ट

काबुल (एजेंसी)

भारत ने शनिवार को काबुल में इंदिरा गांधी चिल्ड्रन हॉस्पिटल को कोविड-19 टीकों की 500,000 खुराक दान कीं और आने वाले हफ्तों में अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय सहायता के हिस्से के रूप में 500,000 और टीके भेजने का वादा किया है। टीकों को ईरान की 'महान एयर' की उड़ान के माध्यम से काबुल भेजा गया था क्योंकि वर्तमान में भारत और अफगानिस्तान के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इससे पहले भी भारत ने इसी अस्पताल में 1.6 टन जीवन रक्षक दवाएं भेजी थीं, जिसकी तालिबान ने प्रशंसा की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'आज, भारत ने अफगानिस्तान को कोविड-19 वैक्सीन (कोवैक्सिन) की 500,000 खुराक से युक्त मानवीय सहायता के अगले बैच की आपूर्ति की। इसे इंदिरा गांधी अस्पताल, काबुल को सौंप दिया गया।'

बयान में कहा गया है, 'आने वाले हफ्तों में अतिरिक्त 500,000 खुराक की आपूर्ति की जाएगी।' 11 दिसंबर को, भारत सरकार ने काबुल में इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान को एक विशेष चार्टर उड़ान से 1.6 टन दवाएं भेजीं, जिसमें अफगानिस्तान के तालिबान के कब्जे के बाद भारत में फंसे 85 अफगान नागरिकों को भी भेजा गया था। इसी फ्लाइट से एक 104 लोग, जिनमें ज्यादातर अफगान सिख और हिंदू थे, काबुल से नई दिल्ली लाए थे।

पाक ने अटकाई भारत से अफगान के लिए मानवीय सहायता

शनिवार को दिए गए टीकों की तरह अन्य दवाएं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के माध्यम से भेजी गईं। इसके अलावा अफगानिस्तान को पाकिस्तानी भूमि मार्गों के माध्यम से 50,000 टन गेहूं उपलब्ध कराने की भारत की पेशकश, पाकिस्तान द्वारा लगाई गई शर्तों के कारण रोक दी गई है। 3 दिसंबर को, पाकिस्तान ने कहा कि वह अफगान ट्रकों में वाघा लैंड बॉर्डर क्रॉसिंग के माध्यम से गेहूं और दवाओं को भेजने की अनुमति देगा, लेकिन अभी इसके तौर-तरीकों को अंतिम रूप देना बाकी है।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के संपर्क में भारत

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अफगान लोगों को खाद्यान्न, कोविड-19 टीकों की एक मिलियन खुराक और आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं से युक्त मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने कहा कि भारत आने वाले हफ्तों में गेहूं और शेष चिकित्सा सहायता की आपूर्ति करेगा। इस संबंध में, हम परिवहन के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अन्य लोगों के संपर्क में हैं।

सेना को विदेशी लक्ष्यों से लैस करने चीन कर रहा सोशल मीडिया की जासूसी, खरीदा विशेष सॉफ्टवेयर

वॉशिंगटन (एजेंसी)

ड्रैगन के मंसूबे काफी खतरनाक होते जा रहे हैं। चीन अपनी सेना और पुलिस को विदेशी लक्ष्यों की जानकारी से लैस करने के लिए पश्चिमी सोशल मीडिया को खंगाल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इतना ही नहीं, सैकड़ों चीनी दस्तावेजों, अनुबंधों और कंपनी फाइलिंग की समीक्षा के बाद चीन के इस रहस्य पर से पर्दा उठा है। इस नई रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के पास डाटा निगरानी सेवाओं का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क है जिसे पिछले एक दशक में विकसित किया गया था और इसका इस्तेमाल राजनीतिक रूप से संवेदनशील जानकारी से जुड़े अधिकारियों को ऑनलाइन चेतावनी देने के लिए घरेलू स्तर पर किया जाता है।

अपने इस काम के लिए चीन एक खास तरह के सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है जो ना सिर्फ घरेलू इंटरनेट उपयोगकताओं और मीडिया को टारगेट करता है, बल्कि ट्विटर, फेसबुक और अन्य पश्चिमी सोशल मीडिया जैसे स्त्रोतों से विदेशी लक्ष्यों से संबंधित डाटा भी एकत्र करता है। वॉशिंगटन स्थित अखबार द्वारा प्राप्त दस्तावेजों से यह भी पता चलता है कि राज्य मीडिया, प्रचार विभाग, पुलिस, सैन्य और साइबर नियामक सहित चीनी एजेंसियां डाटा इकट्ठा करने के लिए नए या अधिक प्रभावशाली सिस्टम खरीद रही हैं। रिपोर्ट आगे बताती है कि बीजिंग पुलिस का एक खुफिया प्रोग्राम हांगकांग और ताइवान पर पश्चिमी कंटेंट का विश्लेषण करता है। यह विदेशों में उइगर भाषा की सामग्री को भी इकट्ठा करता है।

पाकिस्तान के 100 साल प्राचीन मंदिर में 200 हिंदुओं ने दर्शन कर पूजा की, बच्चों ने खेला क्रिकेट

पेशावर। (एजेंसी)

पाकिस्तान के 100 साल प्राचीन मंदिर में 200 हिंदुओं ने दर्शन कर पूजा अर्चना की। भारत, अमेरिका और खाड़ी देशों से आए 200 से अधिक हिंदू तीर्थयात्रियों ने शनिवार को उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में 100 साल पुराने महाराजा परमहंस जी मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान सुरक्षा के लिए 600 कर्मियों की तैनाती की गई थी। खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले के टेरी गांव में परमहंस जी के मंदिर और 'समाधि' का पिछले साल जीर्णोद्धार किया गया था। 2020 में भीड़ ने वहां तोड़फोड़ की थी जिसकी विश्व स्तर पर निंदा की गई थी। हिंदुओं के समूह में भारत के लगभग 200 श्रद्धालु थे, जबकि दुबई से 15, बाकी अमेरिका और अन्य खाड़ी देशों से थे। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय यात्रियों ने लाहौर के पास वाघा सीमा पार किया और सशस्त्र कर्मियों ने उन्हें मंदिर तक पहुंचाया। इस कार्यक्रम का आयोजन पाकिस्तानी हिंदू काउंसिल द्वारा पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के सहयोग से किया गया। टेरी गांव में महाराजा परमहंस का 1919 में निधन हो गया था। हिंदू काउंसिल के अधिकारियों ने कहा कि अनुष्ठान रविवार की दोपहर तक रात भर चलेगा। तीर्थयात्रियों के लिए 'हुजरा' या ओपन एयर रिसेप्शन रूम को आश्रयों में बदल दिया गया था। मंदिर के पास के बाजार पर्यटकों से गुलजार देखे गए और हिंदू दल के बच्चों को स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते हुए देखा गया। जानकारी दी गई है कि भारतीय श्रद्धालुओं ने वाघा बॉर्डर पार किया और इसके बाद उन्हें सशस्त्र जवानों ने एस्कॉर्ट करके मंदिर तक पहुंचाया। अंत्येष्टि स्मारक और टेरी गांव को बड़े पैमाने पर पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में रेंजर्स, इंटेलिजेंस और एयरपोर्ट सुरक्षा बल के 600 जवानों के साथ तैनात किया गया था।

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद पाक में हुए सबसे अधिक आतंकी हमले, रिपोर्ट में दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)

दुनियाभर में आतंक का पनाहगार पाकिस्तान खुद ही आतंकी हमलों से त्रस्त है। एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता शुरू होने के साथ ही पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में यकायक वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि अगस्त 2021 में पाकिस्तान में सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए। ये वही वक्त है जब अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता शुरू हुई। पाकिस्तान में प्रति माह आतंकवादी हमलों की औसत संख्या 2020 के 16 से बढ़कर 2021 में 25 हो गई, जो 2017 के बाद सबसे अधिक थी।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडी (ढक्छरर) द्वारा किए गए ताजा शोध में कहा गया है कि 2021 में पाकिस्तान में सर्वाधिक आतंकी हमले हुए। महीनेवार देखा जाए तो अगस्त माह में अकेले 45 आतंकी हमले अंजाम दिए हैं।

वहीं, पाकिस्तान के प्रतिष्ठित डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार संस्थान ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 10 नवंबर से 10 दिसंबर तक एक महीने के संघर्ष विराम के बावजूद आतंकवादी हमलों की कुल संख्या में कमी नहीं आई है। उधर, पाकिस्तान प्रकाशन ने कहा है कि पाकिस्तान में प्रति माह आतंकवादी हमलों की औसत संख्या 2020 में 16 से बढ़कर 2021 में 25 हो गई, जो 2017 के बाद सबसे अधिक थी। आंकड़ों ने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि बलूचिस्तान सबसे अशांत प्रांत रहा जहां 103 हमलों में 170 मौतें दर्ज की गईं। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक घायलों की संख्या बलूचिस्तान से भी दर्ज की गई, जहां कुल घायलों में से 50 प्रतिशत से अधिक दर्ज किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि खैबर पख्तूनख्वा बलूचिस्तान के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र रहा। विशेषज्ञ इसके पीछे अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता को बताते हैं। उनका कहना है कि इसमें पाकिस्तान की भूमिका काफी अहम रही। पाकिस्तान ने सार्वजनिक रूप से क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने का समर्थन किया लेकिन अंततः किसी भी प्रकार की शांति को स्थापित नहीं कर सका क्योंकि इसके पीछे पाकिस्तान के नेताओं का निजी स्वार्थ रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह का कृत्य विशेष रूप से पाकिस्तान पर उसके सैन्य और खुफिया प्रतिष्ठान पर उल्टा पड़ सकता है।

गाजा में इजराइल ने विद्रोहियों के ठिकानों पर किए हवाई हमले

यरूशलम। इजराइल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने गाजा पट्टी पर विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए। इससे एक दिन पहले हमास के शासन वाले गाजा पट्टी से इजराइल की ओर दो रॉकेट दागे गए थे। दक्षिणी गाजा पट्टी खान यूनिस में रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में तीन बार धमाकों की जोरदार आवाजें सुनी गईं और ऊपर लडाकू विमानों के उड़ने की आवाजें सुनाई दे रही थी। इन हमलों में हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। इजरायली सेना ने कहा कि रॉकेट उत्पादन करने वाली इकाई और हमास की सेना चौकी को निशाना बनाया गया। ये हवाई हमले गाजा की ओर से शनिवार को दो रॉकेट दागे जाने के बाद जवाबी कार्रवाई के तौर पर किए गए। हालांकि ये रॉकेट मध्य इजराइल में भूमध्य सागर में जा कर गिरे थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ये रॉकेट इजराइल पर हमला करने की नीयत से दागे गए थे, क्योंकि हमास अक्सर समुद्र की ओर मिसाइल परीक्षण करता है। शनिवार की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गौरतलब है कि सितंबर में एक घटना को छोड़कर मई में इजराइल और हमास के बीच 11 दिन चले युद्ध को समाप्त करने के लिए लागू संघर्ष विराम के बाद से दोनों ओर से कोई सीमा पार रॉकेट हमला नहीं हुआ है।

दुनिया मना रही जश्न और इमरान जनता पर गिरा रहे महंगाई बम: शाहबाज

-मंहगाई जबरदस्त तरीके से बढ़ी है, इसके लिए इमरान खान को इस्तीफा देना चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शाहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री इमरान खान से इस्तीफा देने की मांग की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज के नेता शाहबाज शरीफ का कहना है कि हाल ही में तेल की बढ़ी कीमतों की वजह से मंहगाई जबरदस्त तरीके से बढ़ी है। इसके लिए इमरान खान को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि दुनिया के दूसरे देशों में सरकारें कीमतों के कम होने पर त्योहारों का जश्न मना रही है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में प्रधानमंत्री नियाजी जनता पर महंगाई का बम गिरा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि वो उम्मीद करते हैं कि नया साल पाकिस्तान की जनता को इस बेतहाशा बढ़ रही महंगाई से छुटकारा दिलाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ये भी उम्मीद जताई है कि नए साल में देश की जनता भुखमरी, बीमारी से उबरेंगे और लोगों को न्याय मिल सकेगा। इस बीच पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी इमरान खान सरकार की जमकर आलोचना की है। उनका कहना है कि इमरान खान ने कहा था कि वर्ष 2021 उनके देश और जनता के लिए खुशियों से भरा होगा। वर्ष 2021 लोगों की तरक्की की राह खोलेगा लेकिन अब वो साल निकल चुका है और 2022 आ चुका है। उनका किया गया वादा कहां गया। उन्होंने इमरान खान पर देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भी निशाना साधा।

उन्होंने यहां तक कहा कि इमरान खान की सरकार बनने से पहले देश में ऐसी सूरत नहीं थी लेकिन इमरान खान के सत्ता में आने के बाद से ही महंगाई ने अपने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। जबकि इमरान खान इसके लिए लगातार पहले की ही सरकारों को दोषी ठहराने में लगे हैं। ऐसा आरोप लगाकर वो ये बता रहे हैं कि वो इस महंगाई को रोकने में नाकाम हैं। उनके हाथों में कुछ नहीं रहा है। वो कुछ नहीं कर सकते हैं। गौरतलब है कि इमरान खान सरकार पर विपक्ष का हमला हाल ही में बढ़ी तेल की कीमतों के बाद काफी

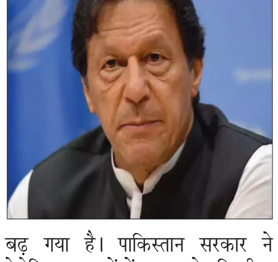

बढ़ गया है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों में चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। जानकारी के मुताबिक हाई स्पीड डीजल पर भी इतनी ही बढ़ोतरी की गई है। केरोसीन पर ये बढ़ोतरी 3.95 रुपए की और लाइट डीजल आयल पर 4.15 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

चीनी सहायता प्राप्त कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में ईंधन डालने का काम पूरा, मार्च से शुरू होगा वाणिज्यिक उत्पादन

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने चीन के साथ सहयोग के 30 साल पूरे होने के अवसर पर चीनी सहायता प्राप्त कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में ईंधन डालने का काम पूरा कर लिया है। पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) से औपचारिक मंजूरी मिल जाने के बाद पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने 1,100 मेगावॉट के परमाणु संयंत्र में ईंधन डालने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग के क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान के बीच सहयोग के तीन दशक पूरे होने और के-3 के नाम से जाने जाने वाले कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई-तीन में ईंधन डालने का काम पूरा होने के अवसर पर आयोजित समारोह में दोनों देशों के परमाणु ऊर्जा संबंधी संगठनों के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि के-3 चालू होने के अंतिम चरण में है और परिचालन एवं सुरक्षा संबंधी जांच के बाद मार्च 2022 के अंत तक संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन शुरू हो जाएगा। मीडिया में आई रिपोर्ट में कहा गया है कि 1986 में चीन और पाकिस्तान की सरकारों द्वारा

परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल में सहयोग संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद पाकिस्तान में परमाणु ऊर्जा विकास कार्यक्रम का नया युग आरंभ हुआ। नवंबर 2013 में के-2 और के-3 की नींव रखे जाने के बाद के-3 का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू किया गया था। कोरोना संक्रमण के बावजूद पाकिस्तान और चीन ने निर्माण कार्य जारी रखा। के-2 का वाणिज्यिक संचालन 21 मई, 2021 को आरंभ हो गया था और अब मार्च 2022 के अंत में के-3 का भी वाणिज्यिक संचालन शुरू हो जाने की संभावना है।

सुविचार कभी कभी हमे स्वयं को बताने की यह जरूरत पड़ती है की हम दुसरो को क्या दे सकते हैं। - डॉ फिल

संपादकीय

महामारी: डरें नहीं, पर सावधानी न छोड़ें!

– डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ इसमें शक नहीं कि भारत के मुकाबले कोरोना महामारी का प्रकोप अन्य संपन्न देशों में ज्यादा फैला है लेकिन अब उसकी तीसरी लहर उन्हीं देशों में इतनी तेजी से फैल रही है कि भारत को फिर से भारी सावधानी का परिचय देना होगा। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, ग्रीस, इटली और सायप्रस जैसे देशों में कोरोना, डेल्टा और ओमीक्रोन के रोज नए लाखों मरीज पैदा हो रहे हैं। यह ठीक है कि उनकी मृत्यु-दर पहले जैसी नहीं है लेकिन इन देशों के कई शहरों में मरीजों के लिए पलंग कम पड़ रहे हैं। अमेरिका जैसा संपन्न देश, जहां की स्वास्थ्य-सेवाएं विश्वप्रसिद्ध हैं, वहां भी हजारों लोग रोज़ अस्पताल की शरण ले रहे हैं। फिलहाल भारत का हाल इन देशों के मुकाबले बेहतर है लेकिन खतरे की घंटियां यहां भी अब बजने लगी हैं। अकेले दिल्ली शहर में यह आंकड़ा एक हजार रोज को छू रहा है। देश के कई शहरों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन हमारे लोग अब भी सतर्क नहीं हुए हैं। वे पिछले कई माह से घरों में कैद थे, उससे छूटकर अब सैर-सपाटे में लगे हुए हैं। कश्मीर में इतने सैलानी इस बार जमा हुए हैं, जितने पहले कभी नहीं हुए। इसी तरह की सूचनाएं और निमंत्रण मुझे देश के सुरम्य शहरों से कई मित्रगण भेज रहे हैं। सबसे ज्यादा छूट तो हमारे नेतागण ले रहे हैं। उनकी सभाओं में लाख-लाख लोग इकट्ठे हो रहे हैं। न तो वे मुखपट्टी रखते हैं और न ही शारीरिक दूरी। यदि यह महामारी फैलेगी तो यूरोप-अमेरिका को भी भारत इस बार पीछे छोड़ देगा। हमारे नेताओं की भी बड़ी मजबूरी है। कई प्रांतों के चुनाव सिर पर हैं। यदि वे बड़ी-बड़ी सभाएं नहीं करें तो क्या करेंगे? अखबारों और चैनलों पर अपने विज्ञापन लटकाने में वे करोड़ों रुपये रोज बहा रहे हैं लेकिन वे 'जूम' या इंटरनेट के जरिए अपनी सभाएं कैसे करें? उनके ज्यादातर अनुयायी अर्धशिक्षित, ग्रामीण, गरीब और पिछड़े लोग होते हैं। वे इन आधुनिक टोटकों से वाकिफ नहीं हैं। ऐसे में क्या बेहतर नहीं होगा कि हमारा चुनाव आयोग इन चुनावों को थोड़ा आगे खिसका दे? भारत में यदि यह नई महामारी फैल गई तो देश की अर्थ-व्यवस्था और राजनीति, दोनों ही अस्त-व्यस्त हो जाएंगी। यह खुशी की बात है कि कुछ प्रांतीय सरकारों ने अभी से कई सख्तियां लागू कर दी हैं। यह अच्छा है लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि जनता खुद अपने पर सख्ती लागू करे। वह आयुर्वेदिक औषधियों, काढ़ों और घरेलू मसालों से अपनी स्वास्थ्य-सुरक्षा में वृद्धि करे और भीड़-भाड़ से बचती रहे। हमारे डाक्टरों और नर्सों के लिए भी परीक्षा की घड़ी फिर से आ रही है। यह सुखद है कि हमारे दवा-विशेषज्ञों ने जो नए कोरोना-टीके और गोलियां बनाई हैं, उन्हें संयुक्तराष्ट्र संघ की मान्यता भी मिल गई है। अब इन नए साधनों से करोड़ों लोगों का इलाज सस्ता, सरल और शीघ्र हो जाएगा। यानी अब डरने की जरूरत नहीं है लेकिन पूरी सावधानी रखने की है।

(लेखक जाने- माने पत्रकार और स्तंभकार हैं)

रिलायंस से एम्स: सबके लिए जरूरी कुशल नेतृत्व

– आरके सिन्हा

मुकेश अंबानी जब किसी विषय पर बोलते हैं, तो साधारणतया उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं होता। उन्होंने हाल ही में साफ संकेत दिए कि रिलायंस इंड्रस्टीज लिमिटेड (आरआईएल) का सक्सेशन प्लान यानि अगला नेतृत्व तैयार है। निश्चित रूप से यह अच्छी बात है कि देश के सबसे बड़े उद्योग समूह के चेयरमेन मुकेश अंबानी ने देश को अपने समूह में आने वाले समय में होने वाले संभावित बदलावों के बारे में सूचित कर दिया। एनर्जी, टेलीकॉम, रिटेल वगैरह सेक्टरों में सक्रिय आरआईएल में एक अनुमान के मुताबिक, सात लाख से अधिक मुलाजिम हैं और इसके लाखों शेयर होल्डर हैं। रिलायंस में होने वाले उतार-चढ़ाव पर सारे देश की निगाहें रहती हैं, क्योंकि ये भारतीय उद्योग जगत का सबसे बड़ा ब्रॉड है। हालांकि अभी मुकेश अंबानी सिर्फ 64 साल के ही हैं और वे कुछ और सालों तक आगे भी रिलायंस की कमा न संभाल सकते हैं। दरअसल सभी कंपनियों तथा संस्थानों के शिखर पर बैठे अधिकारियों को समय रहते अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर लेना चाहिए। देखिए हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े। इसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमैन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटर या संरक्षक के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमैन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे सकते हैं। रतन टाटा ने 2017 में टाटा समूह के चेयरमैन पद को छोड़ दिया था। वे तब से टाटा समूह के चेयरमेन एमिरेट्स हैं। वे रोजमर्रा के कामकाज से तो अपने को अलग कर चुके हैं। पर अभी टाटा समूह अपने अहम फैसले लेते हुए उनके अनुभव का लाभ तो उठाता है। देखिए, अनुभव का कोई विकल्प भी नहीं है। टाटा समूह ने कुछ समय पहले एयर इंडिया का अधिग्रहण कर लिया था। माना जाता है कि रतन टाटा भी चाहते थे उनका समूह एयर इंडिया का अधिग्रहण कर ले। आखिर एयर इंडिया पहले टाटा समूह के पास ही थी। इसलिए टाटा समूह एयर इंडिया को लेकर भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ भी था। अगर बात उद्योग जगह से हटकर सियासत की करें तो वे ही नेता याद किए जाते हैं जो निष्पक्ष तरीके से अपने उत्तराधिकारी तैयार करते हैं। कैडर आधारित दलों जैसे भाजपा और वामपंथी दलों में यही होता है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों में पार्टी की धुरी एक इंसान के आसपास ही घूमती रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि इनमें आये दिन दो फाड़ होता रहता है। इनका विकास और विस्तार भी सही से नहीं होता। कांग्रेस के अंदर कितनी बार टूट हुई है, इसकी गिनती करना भी कठिन होगा। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) और महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को आप देख ही सकते हैं। ये कांग्रेस से ही निकली पार्टियां हैं। कांग्रेस से निकलकर ही बाबू जगजीवन राम से लेकर वीपी सिंह, नारायण दत्त तिवारी, हेमवती नंदन बहुगुणा वगैरह ने भी अपनी पार्टियां बनाईं थीं। हालांकि इनमें से कुछ नेता पुन: वापस कांग्रेस में शामिल हो गए थे। देश की इतनी अहम पार्टी में एक समय के बाद दीमक इसलिए लग गई क्योंकि उस पर एक परिवार ने कब्जा जमा लिया, उसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में तब्दील कर दिया। दुर्भाग्यवश कुछ साल पहले तक हमारे यहां खेल संघों और महासंघों में एक ही व्यक्ति दशकों तक काबिज रहा करते थे। वे नए प्रतिभावान लोगों को आगे आने के सारे रास्ते बंद करके बैठ जाया करते थे। इनके पास कोई नए आइडिया भी नहीं होते थे। इन्हें सिर्फ कुर्सी से चिपके रहना होता था। तब हम ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजनों में सांकेतिक उपस्थित दर्ज करवाने जाते थे। अब हमारे खिलाड़ी स्वर्ण पदक भी जीतने लगे हैं और वह भी एथलेटिक्स में। क्योंकि, हमने अपने खेल संघों तथा महासंघों में नए लोगों को भी अवसर देने शुरू कर दिए हैं। क्या हमने कुछ साल पहले तक सोचा भी था कि हम इस मुकाम को छू सकेंगे? नहीं न? हमारे खिलाड़ी अच्छा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि हमारे खेल संघों में अब उर्जावान चेहरे सामने आ रहे हैं। जिस संस्थान में लगातार नए चेहरे नहीं आएंगे या नहीं आने दिए जाएँगे, वह तो स्वाभाविक रूप से खत्म हो जाएगा। इस बारे में कोई बहस हो ही नहीं सकती है। बैंकिंग की दुनिया पर नजर रखने वालों को आदित्य पुरी जी का नाम बहुत अच्छे से पता है। उन्होंने एचडीएफसी बैंक को बनाया और खड़ा किया। उसकी गिनती देश के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में होती है। लंबे समय तक एचडीएफसी बैंक का नेतृत्व करने के बाद पुरी जी रिटायर हो गए। लेकिन, उन्होंने अपने कई योग्य उत्तराधिकारी तैयार कर लिए। उन्हें नेतृत्व के गुण समझाए-सिखाए। इसलिए वहां सत्ता का हस्तातंरण मजे से हो गया। पुरी के जाने के बाद भी एचडीएफसी बैंक आगे बढ़ रहा है। दरअसल किसी परिवार से लेकर संस्थान की पहचान उसके मुखिया से होती है। अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को ले लीजिए। उसके मौजूदा निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म हो रहा है। डॉ. गुलेरिया ने अपने पद पर रहते हुए शानदार काम किया। उन्हें सारा देश जानता है, क्योंकि सारे देश को एम्स की क्षमताओं पर भरोसा है। पर क्या आप जानते हैं कि एम्स को एक श्रेष्ठ संस्थान के रूप में किसने खड़ा किया? उस महान डॉक्टर, शिक्षक और प्रशासक का नाम था डॉ.बी.बी. दीक्षित (1902-1977)। एम्स 1956 में बना तो सरकार ने डॉ. दीक्षित को इसका पहला निदेशक का पदभार संभालने की पेशकश की। उन्होंने इसे स्वीकार भी किया। वे इससे पहले पुणे के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रह चुके थे। वे फिज़ीआलजी (शरीर विज्ञान) विषय के प्रोफेसर भी थे। एम्स से जुड़े पुराने लोग बताते हैं कि डॉ. दीक्षित ने सरकार से साफ कह दिया था कि वे तब ही एम्स में आएंगे जब उन्हें काम करने का फ्री हैंड मिलेगा। डॉ. दीक्षित ने एम्स में चोटी के प्रोफेसरों और डॉक्टरों को जोड़ा। वे हरेक नियुक्ति मेरिट पर करते थे। वे लगातार एम्स में रिसर्च करने वालों को प्रोत्साहित करते थे। उनकी प्रशासन पर पूरी पकड़ रहा करती थी। डॉ. दीक्षित सत्य और न्याय का साथ देने वाले इंसान थे। उन्होंने देश को एम्स के रूप में एक विश्वस्तरीय संस्थान दिया और यहां रहते हुए अपने कुशल उत्तराधिकारी भी तैयार किए। तो लब्बोलुआब यह है कि बिना कुशल नेतृत्व के कोई संस्थान बुलंदियों को नहीं छू सकती। हरेक संस्थान को लगातार न्यायप्रिय और मेहनती नेतृत्व मिलते ही रहना चाहिए।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

गांवों का भी हो समुचित विकास !

– रमेश सर्राफ धमोरा

शहरों के विकास से ही देश के विकास वाली सोच के कारण शहरीकरण तेजी से बढ़ा है। रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग शहरों की तरफ निरंतर पलायन करते जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में आबादी का दबाव इतना अधिक हो गया है कि वहां पैर रखने को भी जगह नहीं मिल रही है। लोग गंदे नालों के किनारे झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं। इसके विपरीत, देखें तो गांवों के विकास के बिना समग्र भारत का विकास संभव ही नहीं है। महात्मा गांधी हमेशा कहा करते थे कि भारत के वास्तविक विकास का तात्पर्य शहरी औद्योगिक केंद्रों का विकास नहीं बल्कि मुख्य रूप से गांवों का विकास ही है। हमारे देश की जनसंख्या का एक बडा हिस्सा आज भी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करता है। देश की इस विशाल जनसंख्या को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाये बिना देश का समग्र विकास अधूरा है। इस लिए ग्रामीण विकास ही राष्ट्रीय विकास का केंद्र बिंदु है। सभी का ध्यान शहरों के इर्द-गिर्द ही उद्योग धंधे, कल-कारखाने स्थापित करने की तरफ रहता है। कल कारखानों से निकलने वाला धुंआ, गटर का गंदा पानी, वाहनों से होने वाले प्रदूषण की मार से देश के प्राय- सभी शहर कराह रहें हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों ने बढ़ते प्रदूषण पर लगातार चेतावनी जारी की है। फिर भी वास्तविकता को कोई समझना ही नहीं चाहता है। शहरों के विपरीत गांव में आज भी स्वच्छ पर्यावरण, हरा भरा वातावरण देखा जा सकता है। वैसे, आज भी देश के आधे से अधिक गांव में अभी तक मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। इन्हीं सुविधाओं के अभाव में लोग शहरों की तरफ जाने को मजबूर होते हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि शहरों की तर्ज पर ही गांव का भी विकास करवाएं। यदि गांवों में छोटे कल कारखाने, उद्योग धंधे व ग्रामीण कुटीर उद्योग को सरकार की तरफ से बढ़ावा मिले तो गांवों का भी शहरों की तरह कायाकल्प हो सकता है। गांव में रोजगार के साधन बढ़ने से लोगों का पलायन रुकेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आय बढ़ेगी। इससे गांव में समृद्धि आएगी। देश के अधिकांश गांवों में पर्याप्त श्रम शक्ति उपलब्ध है। यदि उनको स्थानीय स्तर पर ही नियमित रोजगार मिल सके तो वो बेहतर परिणाम दे सकते हैं। शहरों में गंदे नालों के किनारे कच्चे झोपड़ियां बनाकर रहने वाले श्रमिकों को यदि गांव के स्वच्छ वातावरण में रहकर काम के अवसर मिलें, तो वे अधिक मेहनत व लगन से काम करेंगे। शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग धंधों की स्थापना के लिए जमीन भी कई गुना कम कीमत पर मिल सकेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर श्रमिकों की उपलब्धता होने के चलते उद्योग धंधों के उत्पादन का लागत मूल्य भी कम रहेगा। सरकार को जब किसी उद्योगपति को कल कारखाना लगवाना होता है, तो उसको सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जमीनों का अधिग्रहण कर जमीन उपलब्ध करवाती है। सरकार अपनी नीति में थोड़ा परिवर्तन कर उद्योग धंधे लगाने वाली जगह पर रहने वाले किसानों को उस उद्योग धंधे में उनकी योग्यता अनुसार नियोजित करें। उनसे ली जाने वाली जमीन के बदले आसपास उतनी ही जमीन उपलब्ध करवाए। इससे गांव की आबादी भी नहीं उजड़ेगी और उद्योग धंधों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में सरकार ने जबरदस्ती किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर टाटा समूह को दी थी। किसानों ने सरकार व उद्योग समूह के खिलाफ इतना बड़ा आंदोलन चलाया कि अंतत: टाटा समूह को अपना उद्योग वहां से अन्यत्र स्थानांतरित करना पड़ा। उसके चलते ही बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। इस बात से कोई इनकार नहीं करता है कि देश के विकास के लिए उद्योग धंधों का होना भी बहुत जरूरी है। फिर भी ग्रामीणों को रौंदकर उद्योग धंधे लगवाना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री रहे नेता चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कोई भी

राष्ट्र तब तक समृद्धि नहीं हो सकता, जब तक वहां का अंतिम सिरे पर बैठा व्यक्ति खुशहाल ना हो जाए। ग्रामीण क्षेत्र का व्यक्ति जब किसी बड़े पद पर पहुंचता है, तो वह भी अपने गांव को भूल जाता है। उसके पास भी गांव के विकास कार्यों की सुध लेने का समय नहीं रहता है। हमें इस प्रवृत्ति को बदलना होगा,तभी गांव का समुचित विकास हो पाएगा, तभी देश समृद्ध बन पाएगा। लॉकडाउन के दौरान हमने देखा था कि वर्षों से शहरों में रह रहे लोगों ने भी अपनी जान बचाने के लिए अंतत: अपने गांव में आकर ही शरण ली थी। शहर छोड़कर आने वाले लोगों में से बहुत से लोग तो गांव में ही रहकर अपना छोटा मोटा कार्य करने लगे हैं। यदि ऐसे लोगों को सरकारी स्तर पर सुविधाएं, संसाधन व सहायता मिले तो ऐसे बहुत से और लोग फिर से गांव की ओर लौट आएंगे। सरकार को स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट गांव की भी योजना बना कर उस पर काम शुरू करवाना चाहिए। यदि ऐसा होगा तो आने वाले समय में उसके बहुत अच्छे नतीजे देखने को मिल सकेंगे।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज के कार्टून

आध्यात्मिकता

जग्गी वासुदेव

भारतीय आध्यात्मिकता, हमेशा ऐसे पुरुषों और महिलाओं का एक समृद्ध मिश्रण रही है, जो अपनी चेतना के शिखर पर पहुंचे थे। जब मनुष्य के आंतरिक स्वभाव की बात होती है तो महिलाओं में भी उतनी ही योग्यता है, जितनी पुरुषों में। यह तो आपका बाहरी हिस्सा, यानि शरीर है, जिसे आप पुरुष या महिला कहते हैं। जो चीज भीतर है, वो एक ही है। बाहरी हिस्सा यह बिल्कुल भी तय नहीं करता कि किसी की आध्यात्मिक योग्यता क्या है। प्राचीन काल में महिलाएं भी यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण करतीं थीं क्योंकि इसे पहने बिना वे शास्त्र नहीं पढ़ सकतीं थीं। पुरुषों की तरह महिलाएं भी 10 से 20 वर्ष विवाहित रहतीं थीं। और फिर, यदि उन्हें आध्यात्मिक होने की गहरी इच्छा होती थी तो वे भी परिवार का त्याग कर सकतीं थीं। लेकिन जब दुष्ट, अत्याचारी लोगों ने भारत पर हमले करने शुरू किए तो धीरे धीरे स्त्रियों की स्वतंत्रता समाप्त हो गई। पारम्परिक नियम बदलने लगे। शायद कुछ समय के लिये यह जरूरी भी था क्योंकि उस समय की परिस्थितियों के अनुसार महिलाओं की अपनी सुरक्षा के लिए, उन पर कुछ बंधन लगाना आवश्यक हो गया। लेकिन, दुर्भाग्यवश, यह कायदा ही बन गया। महिलाओं के लिए सबसे पहली गलत बात यह हुई कि यह घोषित किया गया कि वे यज्ञोपवीत नहीं पहन सकतीं। फिर यह भी कहा गया कि महिलाओं को मुक्ति केवल अपने पति की सेवा करने से ही मिल सकती है। यह तय किया गया कि केवल पुरु ष ही परिवार का त्याग कर सकेंगे। यदि एक स्त्री जिसमें से पुरु ष उत्पन्न होता है- हीन है, तो फिर पुरुष श्रेष्ठ कैसे हो सकता है? इसकी कोई सम्भावना ही नहीं है। ये समस्या सारे विश्व में है। ये सिर्फ एक गलत व्यक्ति के विचार नहीं है। ये अब पुरुषों की जीवन पद्धति ही हो गई है, और उनके धर्म और संस्कृति का एक हिस्सा भी। दुर्भाग्य से, ये चीजे कभी-कभी आज भी होती दिखतीं हैं। स्त्री को बताया जाता है कि उसका जन्म सिर्फ पिता या पति की सेवा करने के लिए ही हुआ है। लोग अस्तित्व के अद्वैत रूप की चर्चा करते हैं और फिर भी कहते हैं,'हरेक वस्तु एक ही है, पर महिलाएं कम हैं'। यह जानते हुए कि पुरुष का अस्तित्व स्त्री पर निर्भर करता है, यदि वह एक स्त्री को समान स्तर पर स्वीकार नहीं करता तो उसके लिए अस्तित्व के अद्वैत रूप को स्वीकार कर सकने का प्रश्न ही नहीं उठता।

सू-दोकू नवताल -2008

1	3			2			6	
	5		7	1			9	3
9		4	6		5			7
	2		3			9	1	
4								5
	7	9			4		8	
2			9		3	7		1
5	1			7	6		4	
	9		5	4			3	6

सू-दोकू -2007 का हल

6	8	9	2	4	5	1	3	7
5	2	4	7	1	3	6	9	8
7	1	3	8	6	9	2	5	4
3	9	8	1	2	7	5	4	6
4	5	7	9	8	6	3	1	2
1	6	2	3	5	4	7	8	9
9	4	6	5	3	2	8	7	1
2	3	1	4	7	8	9	6	5
8	7	5	6	9	1	4	2	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2008

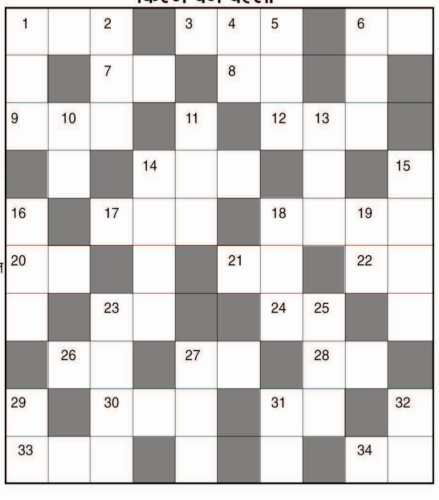

बायें से दायें:-

1. जैकी, सलमान, रंभा, अश्विनी की फिल्म-3
3. नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-3
6. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था?-2
7. 'तू प्यार का सागर है' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'लावारिस' में अमिताभ बच्चन के किरदार का या नाम था?-2
9. फिल्म 'घर में राम गली में श्याम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी?-3
12. 'शहर की लड़की' गीतवाली फिल्म-3
14. 'अंग्रेजी में कहते हैं आई लव यू' गीत वाली फिल्म-3
17. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
18. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है?-4
20. फिल्म 'सपनों का सौदागर' में राजकपूर के साथ नायिका-2
21. फिल्म 'अंत' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-2
22. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
23. सनी, सुनील, शिल्पा की फिल्म-2
24. फिल्म 'दो बदन' के संगीतकार-2
26. फिल्म 'फिजा' में ऋतिक की मां की भूमिका किसने की थी?-2
27. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
28. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, राखी की फिल्म-2
30. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली फिल्म-3
31. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
33. अक्षय कुमार, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'मैं लड़की का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
34. राजेश, बबीता अभिनीत फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना' गीत वाली अशोक कुमार, नूतन, की फिल्म-3
2. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि कपूर की नायिका-3
4. फिल्म 'दौलत की जंग' में आमिर खान के साथ नायिका कौन थी?-2
5. ऋषि कपूर, अरबाज, जूही अभिनीत फिल्म-3
6. शत्रुघ्न सिन्हा, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-3
10. अनिल कपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूं कभी तुम कहो' गीत वाली फिल्म-2
11. सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
13. 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
14. 'मय से मीना से ना साकी से' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-4
15. बॉबी देओल, अक्षय, करीना, बिपाशा की 'कसम से तेरी आंखें' गीत वाली फिल्म -4
16. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीप कुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. अजय देवगन, सुनील शेट्टी, संजय कपूर, चंकी पांडे, रिया, रवीना, नेहा की 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
25. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
27. रंजन, चित्रा, जयश्री गड़कर की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-3
29. संजय दत्त, अभिषेक जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
31. गोविंदा, जूही चावला की 'आ जाना जरा हाथ बढ़ाना' गीत वाली फिल्म-2
32. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2007

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के ह्रदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिहि पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

भारत ने डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील की

नई दिल्ली ।

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील है। विवाद समाधान समिति ने कहा है कि भारत के चीनी और गन्ने के लिए घरेलू समर्थन उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने डब्ल्यूटीओ के अपीलीय निकाय के समक्ष यह अपील की है। यह निकाय ऐसे व्यापार विवादों का अंतिम रूप से निपटान करने वाला प्राधिकरण है। भारत ने कहा है कि डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति ने गन्ना उत्पादकों तथा निर्यात को समर्थन की घरेलू योजनाओं को लेकर अपने फैसले में कई गलत निष्कर्ष निकाले हैं, जो अस्वीकार्य हैं। समिति ने 14 दिसंबर, 2021 को अपने फैसले में कहा था कि भारत को उत्पादन सहायता, बफर स्टॉक और विपणन और परिवहन योजनाओं के तहत कथित रूप से प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना चाहिए। समिति ने भारत से कहा था कि उसे इस रिपोर्ट के 120 दिन के अंदर प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना होगा। भारत की चीनी सब्सिडी के खिलाफ ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला की शिकायत पर समिति ने यह व्यवस्था दी थी। समिति ने कहा था कि भारत के समर्थन उपाय डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं हैं। एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विवाद समाधान समिति का फैसला अनुचित है और यह डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप नहीं है। अधिकारी ने बताया` कि कथित निर्यात सब्सिडी पर समिति के निष्कर्ष तार्किक नहीं हैं। भारत ने समिति के फैसले के खिलाफ अपीलीय निकाय में अपील की है।

फ्यूचर रिटेल ने कहा- कर्जदाताओं को नहीं कर पाई 3494 करोड़ का भुगतान

नई दिल्ली ।

फ्यूचर रिटेल ने कहा कि वह बैंकों और ऋणदाताओं को 3,494.56 करोड़ रुपए का भुगतान नियत तारीख पर करने से चूक गई है, क्योंकि वह अमेजन के साथ चल रहे मुकदमों के कारण अपनी संपत्ति बेच नहीं सकी। फ्यूचर रिटेल ने पिछले साल बैंकों और ऋणदाताओं के एक समूह के साथ एकमुश्त पुनर्गठन (ओटीआर) योजना में प्रवेश किया था, जिसके तहत उसे 31 दिसंबर 2021 को या उससे पहले 3,494.56 करोड़ रुपए चुकाने थे। फ्यूचर रिटेल ने शेयर बाजार को बताया कि समूह मौजूदा स्थिति को हल करने के लिए बैंकों के निर्देशों के अनुसार अगले 30 दिनों के भीतर निर्दिष्ट व्यवसाय के मौद्रीकरण को पूरा करने के लिए सहयोग करेगी। कंपनी ने बताया कि अमेजन डॉट कॉम एनवी इंवेस्टमेंट होल्डिंग्स एलएलसी के साथ चल रहे मुकदमों के कारण, कंपनी तय तारीख पर बैंकों और ऋणदाताओं की पूर्वोक्त देनदारियों को चुकाने के लिए ओटीआर योजना में अपेक्षित निर्दिष्ट व्यवसाय के मौद्रीकरण को पूरा नहीं कर सकी। फ्यूचर रिटेल लिमिटेड को कर्ज देने वाले संस्थानों से कंपनी को अप्रैल में मौजूदा वित्तीय ऋण के पुनर्गठन योजना को मंजूरी मिल गई थी। यह मंजूरी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की कोविड संबंधित दबाव के चलते लाई गई समाधान व्यवस्था के तहत दी गई थी। कंपनी के अनुसार समाधान योजना के तहत एफआरएल द्वारा गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्रों के जरिए जुटाए गए ऋण भी मौजूदा कर्ज का हिस्सा होगा और उसे भी पुनर्गठित करने का प्रस्ताव था।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.11 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपे नियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप)1,11,012.63 करोड़ रुपए बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचडीएफसी बैंक रहे। सप्ताह के दौरान सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 24,635.68 करोड़ रुपए के उछाल से 13,82,280.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 22,554.33 करोड़ रुपए बढ़कर 8,20,164.27 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 14,391.25 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,54,444.80 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 10,934.61 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,94,714.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 9,641.77 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,68,480.66 करोड़ रुपए पर और विप्रो का 9,164.13 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 3,92,021.38 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत सप्ताह के दौरान 8,902.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,13,973.22 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 7,575.11 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,21,121.74 करोड़ रुपए रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन भी 3,212.86 करोड़ रुपए बढ़कर 4,10,933.74 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के` विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 2,772.49 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 16,01,382.07 करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और विप्रो का स्थान रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 58.7 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई ।

विदेशी मुद्रा भंडार 24 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 58.7 करोड़ डॉलर घटकर 635.08 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 16 करोड़ डॉलर कम होकर 635.66 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 84.7 करोड़ डॉलर घटकर 573.36 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस दौरान स्वर्ण भंडार 20.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 39.39 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 2.8 करोड़ डॉलर चढ़कर 5.2 अरब डॉलर पर रहा।

एनटीपीसी पीएक्सआईएल में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की योजना पावर एक्सचेंज ऑफ इंडिया` लिमिटेड (पीएक्सआईएल) में पांच प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीएक्सआईएल बिजली कारोबार के कई विकल्प उपलब्ध कराती है। पीएक्सआईएल देश का पहला संस्थागत रूप से प्रवर्तित बिजली एक्सचेंज है, जो बिजली कारोबर के कई समाधान उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा यह वर्ष 2008 से क्रेताओं के साथ विक्रेताओं को भी जोड़ रहा है। एनटीपीसी की योजना पीएक्सआईएल में पांच प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने की है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पीएक्सआईएल की अधिकृत शेयर पूंजी 120 करोड़ रुपए और चुकता पूंजी 58.47 करोड़ रुपए है। पीएक्सआईएल का गठन 20 फरवरी, 2008 को हुआ था। सरकार` का कहना है` कि उसकी योजना बिजली बाजार की देश की कुल बिजली आपूर्ति में हिस्सेदारी 2023-24 तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की है। यह राष्ट्रीय बिजली नीति (एनईपी) के मसौदे का हिस्सा हो सकता है।

लैम्बॉर्गिनी के लिए अच्छा रहा बीता साल, इस साल भी कायम रहेगी यही रफ्तार

नई दिल्ली ।

इटली की सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी लैम्बॉर्गिनी के लिए भारत में बीता साल काफी अच्छा रहा है और कंपनी को नए साल 2022 में भी वृद्धि की यह रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। कंपनी भारत में सुपर लग्जरी कारें बेचती हैं। इन कारों की कीमत 3.16 करोड़ रुपए से शुरू होती है। 2021 में कंपनी ने भारतीय बाजार में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लक्ष्य के साथ प्रवेश किया था। कंपनी ने 2019 में भारत में 52 कारें बेची थीं, जो उसका अबतक का रिकॉर्ड है। हालांकि, कंपनी ने भारतीय बाजार में 2021 के लिए अपने पूर्ण बिक्री आंकड़ों की घोषणा नहीं की है, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसके प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। वैश्विक स्तर पर 2021 में कंपनी की बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 6,902 इकाई पर पहुंच गई। 2019 की तुलना में भी 2021 में कंपनी की वैश्विक बिक्री छह प्रतिशत बढ़ी है। इसी अवधि में एशिया-प्रशांत में कंपनी की बिक्री में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लैम्बॉर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा भारत में भी हमारी बिक्री का यही रुख रहा है। हमारे प्रयासों की वजह से हमारी ऑर्डर बुक काफी अच्छी है। इसके चलते 2022 की शुरुआत भी हमारे लिए अच्छी रहने वाली है। हालांकि, उन्होंने भारत में 2021 के लिए बिक्री के आंकड़ों का खुलासा नहीं किया, लेकिन अग्रवाल का मानना है कि 2021 में भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2019 से बेहतर रहने वाली है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के बावजूद अक्टूबर, 2020 से बाजार में काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि 2021 हमारे लिए एक और रिकॉर्ड बनाने का साल रहेगा।

2022 में भारतीय परिदृश्य पर अग्रवाल ने कहा हम काफी सकारात्मक हैं। इस दृष्टि से कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद बाजार ने काफी तेजी से सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा इसके अलावा देश में टीकाकरण की तेज रफ्तार से भी हमारा भरोसा बढ़ा है। क्या कंपनी 2022 में एक और रिकॉर्ड की उम्मीद कर रही है? उन्होंने कहा कंपनी हमेशा सतत वृद्धि का प्रयास करती रही है। सिर्फ 2020 में हमारी बिक्री में कुछ गिरावट आई थी, लेकिन इसका कारण हमारे नियंत्रण से बाहर था।

बजट में कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ाकर 18 लाख करोड़ रुपए कर सकती है सरकार

नई दिल्ली:

कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन के लिए सरकार आगामी 2022-23 के बजट में कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ाकर 18 लाख करोड़ रुपए कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। आम बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण का लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपए है। सरकार हर साल कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ा रही है। सूत्रों ने बताया कि इस बार भी लक्ष्य को बढ़ाकर 18 से 18.5 लाख करोड़ रुपए किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस महीने के आखिरी सप्ताह में बजट आंकड़ों को अंतिम रूप देते समय यह लक्ष्य तय किया जा सकता है। सरकार बैंकिंग क्षेत्र के लिए सालाना कृषि कर्ज का लक्ष्य तय करती है। इसमें फसल ऋण का लक्ष्य भी शामिल होता है। हाल के बरसों में कृषि ऋण का प्रवाह लगातार बढ़ा है और प्रत्येक वित्त वर्ष में कृषि कर्ज का आंकड़ा लक्ष्य से अधिक रहा है। उदाहरण के लिए 2017-18 के लिए कृषि ऋण का लक्ष्य 10 लाख करोड़ रुपए था लेकिन उस साल किसानों को 11.68 लाख रुपए का कर्ज दिया गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2016-17 में नौ लाख करोड़ रुपए के फसल ऋण के लक्ष्य पर 10.66 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया गया। सूत्रों ने कहा कि कृषि क्षेत्र में ऊंचे उत्पादन के लिए कर्ज की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। संस्थागत ऋण की वजह से किसान गैर-संस्थागत स्रोतों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेने से भी बच पाते हैं। आमतौर पर खेती से जुड़े कार्यों के लिए कर्ज नौ प्रतिशत ब्याज पर दिया जाता है लेकिन सरकार किसानों को सस्ता कर्ज उपलब्ध कराने के लिए लघु अवधि के फसल ऋण पर ब्याज सहायता देती है। सरकार तीन लाख रुपये तक के लघु अवधि के फसल ऋण पर दो प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी देती है। इससे किसानों को कर्ज सात प्रतिशत के आकर्षक ब्याज पर उपलब्ध होता है। इसके अलावा कर्ज का समय पर भुगतान करने वाले किसानों को तीन प्रतिशत का प्रोत्साहन भी दिया जाता है। ऐसे में उनके लिए कर्ज पर ब्याज दर चार प्रतिशत बैठती है।

ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने दिसंबर में 10,000 से अधिक ई-वाहन बेचे

मुंबई: ग्रीव्ज कॉटन की ई-वाहन इकाई ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने दिसंबर, 2021 में 10,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि इस दौरान उसके ई-तिपहिया की बिक्री में 101 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के बाजार में मजबूत स्थिति है। एम्पियर (ई-स्कूटर) के राजस्व में दिसंबर, 2020 की तुलना में दिसंबर, 2021 में छह गुना वृद्धि हुई। तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के कारोबार में 101 फीसदी वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर-2021 की तिमाही उसके लिए कई नजरियों से महत्वपूर्ण थी। इस अवधि में उसने ई-तिपहिया कंपनी ईएलई (ई-रिक्शा) में शत प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी और एक अन्य ई-तिपहिया वाहन कंपनी एमएलआर ऑटो (तेजा ब्रांड) में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की। उसने रानीपेट में एक विशाल इलेक्ट्रिक वाहन कारखाने की भी शुरुआत की। एम्पियर वेहिकल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) रॉय कुरियन ने कहा, ''एम्पियर के साथ हमारे ई2डब्ल्यू क्षेत्र ने सफलता अर्जित की है और दिसंबर, 2021 की बिक्री का प्रदर्शन इसका प्रमाण है।

बीते साल चुनौतियों के बाद भी कारों की बिक्री 27 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बीते साल 2021 में तमाम चुनौ तियों के बावजूद यात्री गाड़ियों की बिक्री में करीब 27 फीसदी का उछाल आया है। सिर्फ 2021 में ही 30 लाख गाड़ियां बिकी हैं, जो कार सेक्टर के इतिहास में तीसरी बार हुआ है। यानी 2021 कार सेक्टर के लिए शानदार साबित हुआ है। पिछले साल करीब 7 लाख कारों की लंबी वेटिंग देखने को मिली, लेकिन कार कंपनियों ने करीब 30.82 लाख कारें बेची हैं। 2020 में यह आंकड़ा सिर्फ 24.33 लाख यूनिट का था। पहली बार यात्री गाड़ियों की सेल्स ने 30 लाख का आंकड़ा 2017 में पार किया था। 2018 में कारों की बिक्री 33.95 लाख यूनिट रही थी, जो 2019 में घटकर 29.62 लाख हो गई। भारत की सबसे बड़ी कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी को सेमीकंडक्टर की कमी के चलते काफी दिक्कत हो रही है, लेकिन फिर भी कंपनी ने 2021 में 13.65 लाख गाड़ियां बेची हैं। 2020 में कंपनी का यह आंकड़ा सिर्फ 12.14 लाख था। 2018 में कंपनी ने कुल 17.31 लाख गाड़ियां बेची थीं। मारुति की प्रतिद्वंद्वी कंपनी हुंडई ने 2021 में 19 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी ने 2020 में 4.2 लाख गाड़ियां बेची थीं और 2021 में ये आंकड़ा 5 लाख गाड़ियों तक पहुंच गया। हुंडई को भी सेमीकंडक्टर की कमी के चलते काफी दिक्कत हुई, जिसके चलते क्रेटा और वेन्यू जैसी गाड़ियों की करीब 1 लाख यूनिट तक की वेटिंग चल रही है।

क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों कंपनियों की 70 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी!

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार करने वाले वज़ीरएक्स द्वारा जीएसटी चोरी का पता चलने के बाद जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने देश भर में चल रहे क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों की तलाशी ली है। जानकारी के मुतो बिक डीजीजीआई द्वारा क्रिप्टोकरेंसी सेवा प्रदाताओं के लगभग आधा दर्जन कार्यालयों की तलाशी ली गई, जिसमें बड़े पैमाने पर माल और सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता चला है। क्रिप्टो वॉलेट और एक्सचेंज ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जहां व्यापारी और उपभोक्ता बिटक्वॉइन, एथेरियम, रिपल जैसी डिजिटल संपत्ति का लेन-देन करते हैं। बताया जा रहा है` कि मुंबई सीजीएसटी और डीजीजीआई द्वारा क्रिप्टोकरेंसी व्यापार पर कार्रवाई के दौरान लगभग 70 करोड़ रुपए की कर चोरी का पता चला है। डीजीजीआई ने मैसर्स बिट्सीफर लैब्स एलएलपी द्वारा क्वाइनस्विच कुबेर कंपनी की मैसर्स नेब्लियो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा क्वाइनडीसीएक्स की, मैसर्स ब्लॉक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बाययूक्वाइन की और मैसर्स यूनोक्वाइन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा यूनोक्वाइन की जांच की है। जानकारी में पता चला है` कि उन्होंने जीएसटी कानून के वैधानिक प्रावधानों का पालन न करने के लिए जीएसटी, ब्याज और जुर्माना के तौर पर 30 करोड़ रुपए और 40 करोड़ रुपए का भुगतान किया। इसी तरह जीएसटी कानूनों का उल्लंघन करने के लिए सीबीआईसी ने वज़ीरएक्स सहित क्रिप्टोकरेंसी सेवा प्रदाताओं से 70 करोड़ रुपए वसूल किए हैं।

मार्च तिमाही में भी गुलजार रहेगा IPO बाजार, 23 कंपनियां जुटाएंगी 44,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली:

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का बाजार चालू जनवरी-मार्च की तिमाही में भी गुलजार रहेगा। तिमाही के दौरान 23 कंपनियां आईपीओ के जरिए 44,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी कर रही हैं। मर्चेंट बैंकरों ने यह जानकारी दी।

आईपीओ से राशि जुटाने के मामले में प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियां सबसे आगे रहेंगी। इससे पहले 2021 में 63 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए रिकॉर्ड 1.2 लाख करोड़ रुपए की राशि जुटाई थी। हालांकि, इस दौरान वृहद अर्थव्यवस्था महामारी की वजह से प्रभावित रही।

इन कंपनियों के अलावा पावरग्रिड इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश न्यास) ने आईपीओ के माध्यम से 7,735 करोड़ रुपए जुटाए थे, वहीं ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने रीट (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) के जरिए 3,800 करोड़ रुपए की राशि जुटाई थी।

मर्चेंट बैंकरों ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान जिन कंपनियों के आईपीओ के जरिए धन जुटाने की उम्मीद है, उनमें ओयो (8,430 करोड़ रुपए) और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी कंपनी डेल्हीवरी (7,460 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इनके अलावा अडाणी विल्मर (4,500 करोड़ रुपए), एमक्योर फार्मास्युटिकल्स (4,000 करोड़ रुपए), वेदांत फैशंस (2,500 करोड़ रुपए), पारादीप फॉस्फेट्स (2,200 करोड़ रुपए), मेदांता (2,000 करोड़ रुपए) और इक्सिगो (1,800 करोड़ रुपए) के आईपीओ भी तिमाही के दौरान आने की उम्मीद है।

मर्चेंट बैंकरों ने बताया कि स्कैनरे टेक्नोलॉजीज, हेल्थियम मेडटेक और सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज भी समीक्षाधीन तिमाही के दौरान आईपीओ ला सकती हैं।

रिकूर क्लब के संस्थापक एकलव्य ने कहा, ''कंपनियों द्वारा आईपीओ के जरिए सूचीबद्धता जनता से पूंजी जुटाने के लिए की जाती है, जिससे उनके शेयर की तरलता बढ़ती है और साथ ही मूल्य की खोज में भी मदद मिलती है।

लर्नऐप.कॉम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रतीक सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी कंपनियां अब वैश्विक स्तर पर विस्तार करना चाहती हैं और इसके लिए उन्हें पूंजी की जरूरत होती है। ऐसे में वे आईपीओ मार्ग के जरिये धन जुटाना पसंद करती हैं।

हीरो मोटोकॉर्प ने 2021 में विदेशों में मोटरसाइकिल बिक्री का रचा कीर्तिमान

एक साल में बेचीं 2.80 लाख मोटरबाइक

नई दिल्ली ।

भारत की मशहूर और दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने गुजरे साल दुनिया के बाजारों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बताया कि 2021 में भारतीय और वैश्विक मोटर वाहन उद्योग के लिए चुनौतियों के बावजूद सबसे ज्यादा यूनिट्स को बेचने में कामयाब रही है। 2021 में कंपनी कुल 2.80 लाख यूनिट्स बेचने में सफल रही है। हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले साल एशिया, अफ्रीका, दक्षिण और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई देशों में खुद को एक्सपेंड किया है। साल 2021 में कंपनी की वृद्धि दर साल 2020 की तुलना में 71 प्रतिशत से ज्यादा रही। कंपनी ने 2020 में कुल 1-69 लाख यूनिट बेची थीं। इस बीच, हीरो मोटोकॉर्प इस साल मार्च में अपने पहले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को पेश करने के लिए तैयार है। वाहन का उत्पादन दक्षिण भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश के चित्तूर में कंपनी के प्लांट में किया जाएगा। हीरो मोटोकॉर्प के ग्लोबल बिजनेस के प्रमुख संजय भान ने कहा- आर4 की हमारी नई रणनीति- रीकैलिब्रेट, रिवाइटलाइज, रिवोल्यूशन, रिवाइव ने पहले ही हमारे लिए नतीजे देना शुरू कर दिया है। मौजूदा कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में बाधाओं को ध्यान में रखते हुए, 2021 में हमारे वैश्विक बाजारों में बिक्री हमारी योजनाओं के मुताबिक है। हम 2025 तक अपने वैश्विक कारोबार से कंपनी की कुल बिक्री का 15 प्रतिशत हासिल करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही ट्रैक पर हैं। हीरो मोटोकॉर्प ने तीन महाद्वीपों के 42 से ज्यादा देशों में अपने ग्लोबल फुटप्रिंट का तेजी से विस्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों के धीरे-धीरे खुलने के साथ, हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी वैश्विक विस्तार योजनाओं में भी तेजी लाई है। वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान, कंपनी ने दुबई में अपनी नई एक्सक्लूसिव डीलरशिप का उद्घाटन किया। जिससे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उसकी मौजूदगी और मजबूत हुई। हीरो मोटोकॉर्प ने अर्जेंटीना में गिलेरा मोटर्स के साथ साझेदारी में ब्यूनस आयर्स में एक फ्लैगशिप डीलरशिप का भी उद्घाटन किया।

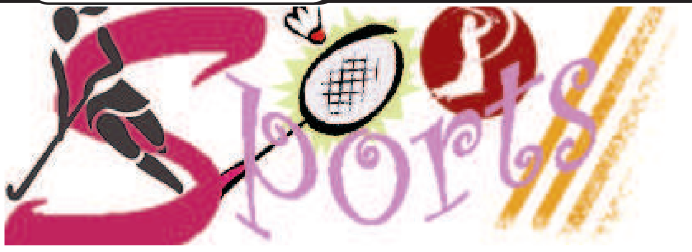

पीएसजी के चार खिलाड़ी पाए गए कोरोना पॉजिटिव, लिस्ट में मेस्सी भी शामिल

पेरिस । सात बार के बेलोन डियोर पुरस्कार विजेता लियोनल मेस्सी पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) टीम के उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो सोमवार रात टीम के फ्रेंच कप फुटबॉल मुकाबले से पहले कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए। पीएसजी टीम ने शनिवार रात बयान में कहा था कि स्टाफ का एक सदस्य भी कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। उस समय किसी के नाम का खुलासा नहीं किया गया था लेकिन बाद में रविवार को टीम के चिकित्सा समाचार में क्लब ने संक्रमित खिलाड़ियों की सूची में मेस्सी, लेफ्ट बैक युआन बेर्नाट, बैकअप गोलकीपर सर्जियो रिको और 19 साल के मिडफील्डर नाथन बिटुमाजाला के नाम की जानकारी दी। पीएसजी को तीसरे टीयर की टीम वेनेस से भिड़ना है। पिछले साल का उप-विजेता मोनाको रविवार को दूसरे टीयर की टीम क्युविली रोवेन से भिड़ेगा। रविवार को 13 मुकाबले होंगे जिनमें टीम अंतिम 16 में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगी। मोनाको ने शनिवार को कहा था कि उसके साथ खिलाड़ी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं लेकिन उनमें से किसी में भी चिंताजनक लक्षण नहीं दिखे हैं और वे पृथकवास पर हैं।

जोहान्सबर्ग

‘विराट’ तैयारी में जुटी टीम इंड़िया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

टीम इंडिया से दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी, कोहली की सेना ने वैसा ही प्रदर्शन किया है। सेंचुरियन में अपने हार के सिलसिले को तोड़ते हुए भारतीय टीम ने जीत से इस महामुकाबले का आगाज किया। अब दोनों टीमें 3 जनवरी को जोहान्सबर्ग में आमने-सामने होंगी और वांडरर्स मैदान पर जीत के लिए जोर आजमाइश करेंगी।

भारत के लिए अच्छी बात यह है कि टीम इंडिया इस मैदान पर आज तक कोई टेस्ट नहीं हारी है। ऐसे में उसके पास 29 साल का सूखा खत्म करने का अच्छा मौका है। भारत ने यहां 7 टेस्ट सीरीज खेली है। लेकिन उसे एक में भी जीत नहीं मिली है। इस बार कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान विराट कोहली की जोड़ी इस इतिहास को बदलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यही वजह है नए साल का जश्न मनाने के बजाए टीम खेल पर ध्यान दे रही है।

जोहान्सबर्ग टेस्ट में एक बार फिर विराट कोहली पर सबकी निगाहें होंगी। उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जमाए हुए 2 साल हो गए हैं। उन्होंने 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में इंटरनेशनल क्रिकेट में 70वां शतक जड़ा था। इसके बाद से वो 60 बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। लेकिन सेंचुरी पूरी नहीं कर पाए हैं। सेंचुरियन टेस्ट में भी वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पहली पारी में उन्होंने 35 और दूसरी में 18 रन बनाए थे। वैसे, जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर कोहली का रिकॉर्ड शानदार है। वो इस मैदान पर शतक के साथ 300 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने 2018 में यहां एक टेस्ट भी जीता था। विराट से इस बार भी वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद है। इसलिए कोच राहुल द्रविड़ ने भी उनके साथ नेट्स पर काफी वक्त बिताया। इसके अलावा चेतेश्वर पुजारा भी रंग में नहीं हैं। वह सेंचुरियन टेस्ट में एक बार फिर फ्लॉप रहे। पहली पारी में तो वह खाता भी नहीं खोल पाए और दूसरी में उन्होंने 16 रन बनाए। हालांकि, इसके बाद भी कोच द्रविड़ का उन पर भरोसा है। इसलिए वह लगातार नेट्स पर इस बल्लेबाज के साथ काम कर रहे हैं। द्रविड़ ने पुजारा के अलावा मयंक अग्रवाल, केएल राहुल को वांडरर्स की पिच पर खेलने के टिप्स दिए। उन्होंने पहली पारी में 48 और दूसरी में 20 रन बनाए। दूसरे मैच में उन्हें मौका मिलता है या नहीं। यह अभी साफ नहीं है, लेकिन वे नेट्स पर अपनी बल्लेबाजी की कमियों को बदलने का प्रयास करते दिखे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई मुकाबले में ब्रॉक लेज़नर ने बिग ई को दी करारी शिकस्त

तमगा हासिल कर बने चैम्पियन

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई मुकाबले में ब्रॉक लेज़नर ने एक ज़बरदस्त फाइट मुकाबले में बिग ई को पटक कर शिकस्त दी है और अब वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के नए चैम्पियन बन गए हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले दिन ही ब्रोक का मुकाबला बिग ई, सेठ रोलिस, केविन ओन्स, बॉबी लिसले से था, जिसमें उन्हें जीत हासिल हुई। ये करीब 21 महीने के बाद हुआ है, जब ब्रोक लिसनर के हाथ में डब्ल्यूडब्ल्यूई चैम्पियनशिप की बेल्ट आई है। उन्होंने चैम्पियन बिग ई को मात दी और ये मुकाम हासिल किया। ब्रॉक लेज़नर का मुकाबला पहले रोमन रिंगस के साथ होना था। लेकिन फाइट से कुछ वक्त पहले ही ये जानकारी मिली कि रोमन को कोरोना हो गया है, उन्होंने खुद ट्वीट कर ये लोगों को बताया और ऐसे में फाइट कैंसिल हो गई। इसी वजह से ब्रोक लिसनर की फाइट यूनिवर्सिल चैम्पियनशिप से हटाकर डब्ल्यूडब्ल्यूई चैम्पियनशिप में फिट की गई और जहां उन्होंने रिकॉर्ड नौवीं बार ये खिताब अपने नाम किया। ब्रॉक लेज़नर ने रेसलमेनिया 36 के बाद पहली बार चैम्पियनशिप जीती है। चैम्पियनशिप का ये फाइनल इसलिए भी ज़बरदस्त रहा, क्योंकि पहले ये मैच बिग ई और सेठ रोलिस, केविन ओवन्स, बॉबी लेसी के बीच होना था। बाद में इसमें ब्रॉक लेज़नर का नाम आ गया, ऐसे में एक-एक करके सभी बाहर होते गए और ब्रॉक लेज़नर बाज़ी मार गए। ब्रॉक लेज़नर और रोमन रिंग्स की फाइट का लंबे वक्त से इंतज़ार चल रहा है। दिसंबर 2021 में दोनों एक-दूसरे के सामने रिंग में आए थे, जिसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई ने चैम्पियनशिप फाइट का ऐलान किया था। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले दिन हुए दूसरे मुकाबलों में लेंच अपनी रॉ वुमेन चैम्पियनशिप बचाने में कामयाब रही हैं। बैकी ने लिव मार्गन को हरा दिया है, दोनों के बीचइस दौरान जबरदस्त जंग देखने को मिली।

रूस और चेक गणराज्य की आईस हॉकी टीम के सदस्यों को विमान से उतारा गया

कैलगरी (एजेंसी) ।

रूस और चेक गणराज्य की विश्व जूनियर आईस हॉकी टीम को नए साल की पूर्व संध्या पर कैलगरी से जर्मनी के फ्रेंकफर्ट जाने वाले विमान से उतार दिया गया क्योंकि साथी मुसाफिरों ने कहा था कि रूस की टीम ने धूम्रपान करके और मास्क पहनने से इनकार करके हंगामा किया। कैलगरी पुलिस ने शनिवार को बयान में कहा कि उसकी हवाई अड्डा इकाई के अधिकारियों ने शुक्रवार शाम पांच बजकर 45 मिनट पर एयर कनाडा के विमान में हंगामे की शिकायत पर कार्रवाई की। बयान में हालांकि यह नहीं कहा गया कि किसने हंगामा किया और क्या किसी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने द कनाडा प्रेस की आगे की सूचना देने के आग्रह पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एयर कनाडा ने भी अब तक सूचना के आग्रह पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टीम के सदस्य रेड डीयर और एडमंटन में बुधवार को रद्द की गई जूनियर चैंपियनशिप से स्वदेश लौट रहे थे। कोविड-19 के प्रकोप के कारण प्रतियोगिता को रद्द किया गया। रूस के कोच सर्जेई जुबोव ने रूस के समाचार पत्र इज्वेस्तिया से कहा, ‘‘मास्क से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने के लिए चेक गणराज्य और रूस की टीम को विमान से उतार दिया गया। काफी कड़े नियम हैं। ’’ चेक गणराज्य के टीम मैनेजर ओटाकर सेर्नी ने कहा कि विमान के कर्मचारियों ने संभवतः उनकी टीम को रूस के खिलाड़ियों के साथ जोड़ दिया क्योंकि उन्होंने समान सलेटी रंग की जर्सी पहनी थी।

2900 रेटिंग बड़ा लक्ष्य, इसे हासिल करने के लिए

अब हर मैच जीतना जरूरी: कार्लसन

वारसा (एजेंसी)।

पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन मेगनस कार्लसन ने अपनी शतरंज रेटिंग को 2900 रेटिंग अंक ले जाने की बात कही है। शतरंज के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी की अधिकतम रेटिंग 2882 अंक रही है, जो रिकॉर्ड खुद कार्लसन के ही नाम है, पर पिछले दिनों उन्होंने अपना अगला लक्ष्य 2900 रेटिंग अंक निर्धारित किया, तो इसकी पूरी दुनिया में खूब चर्चा हुई। कार्लसन की शनिवार को जारी फीडे रेटिंग में 2865 अंक है और 9अंक पिछले दिनों उन्होंने विश्व चैंपियनशिप मैच मे रूस के इयान नेपोमिन्सी को हराकर हासिल किए हैं। फिलहाल उनके बाद फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा ही 2800 ऊपर के अकेले खिलाड़ी हैं, जिनकी रेटिंग 2804 अंक है। कार्लसन नें कहा निश्चित तौर पर यह लक्ष्य हासिल करना असंभव तो नहीं, पर काफी मुश्किल जरूर है। मेरे यह लक्ष्य निर्धारित करने के पीछे कारण यह है की 5 विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद मैं अपने लिए कुछ बड़ा और मजबूत लक्ष्य बनाना चाहता हूं, ताकि मैं अपने आप को लगातार प्रेरित रख सकूं। उन्होंने कहा पिछले कुछ वर्षो में ऐसे कई मौके आए जब मैं खेल को अपना 100 फीसदी नहीं दे पाया। इस लिहाज से 2900 रेटिंग छूना एक ऐसा लक्ष्य है, जिसके लिए मुझे हर मुक़ाबला जीतना होगा । उल्लेखनीय है कि नॉर्वे के मेगनस कार्लसन 2013 में 23 वर्ष की आयु मे भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर विश्व चैम्पियन बने थे और तब से 2014 में फिर से आनंद, 2016 मे रूस के सेरगी कार्याकिन, 2018 मे यूएसए के फबियानों करूआना को और 2021 में रूस के नेपोमिन्सी को हराकर विश्व खिताब कायम रखे हुए है। इसके साथ ही कार्लसन जुलाई 2011 से अभी तक लगातार विश्व के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी हैं।

संक्षिप्त समाचार

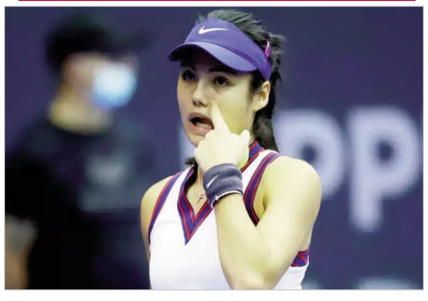

एम्मा रादुकानु ऑस्ट्रेलियन ओपन अभ्यास टूर्नामेंट से हटीं

मेलबोर्न । ब्रिटेन के टेनिस खिलाड़ी एम्मा रादुकानु ने मेलबोर्न में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। 2021 यूएस ओपन के चैम्पियन डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट मेलबोर्न समर सेट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार थे, जिसका आयोजन 4 से 9 जनवरी के बीच होना है। रादुकानु ने आयोजकों को बताया कि मेरे पास इस हफ्ते पहली मेलबोर्न प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार होने के लिए कम समय है, मैं अभी आइसोलेशन से लौटा हूं। उल्लेखनीय है कि 19 वर्षीय रादुकानु को क्रिसमस से पहले अबू धाबी में कोरोना संक्रमित होने के कारण आइसोलेशन में जाना पड़ा था, जिससे वह हाल ही में बाहर आए। रादुकानू हालांकि 17 से 30 जनवरी तक मेलबोर्न पार्क में आयोजित होने वाले चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों के पहले टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में हैं।

इंग्लैंड टीम ने रद्द किया अपना ट्रेनिंग सेशन, बताई यह वजह

सिडनी । इंग्लैंड की आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट की तैयारियों को एक और झटका लगा जब उसका एक नेट गेंदबाज कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया जिसके कारण टीम का ट्रेनिंग सत्र रद्द हो गया क्योंकि अन्य नेट गेंदबाजों को उसका करीबी संपर्क माना गया। यहां मीडिया की खबरों के अनुसार पहले तीन टेस्ट में हार के साथ श्रृंखला गंवा चुकी इंग्लैंड की टीम को उस समय झटका लगा है जब वे पूर्व एकदिवसीय कप्तान एडम होलियोक को टीम के कोचिंग स्टाफ से जोड़ने की योजना बना रहे हैं। चौथा टेस्ट पांच जनवरी से खेला जाएगा। इसी हफ्ते मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर एशेज टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड दल के सभी सदस्य कोविड-19 परीक्षण में नेगेटिव आए। इससे पहले सहयोगी स्टाफ के दो सदस्य और उनके परिवार के दो सदस्य कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। पॉजिटिव नतीजों के कारण खेल की शुरुआत में विलंब हुआ था। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड को पृथकवास में जाने को बाध्य होना पड़ा क्योंकि उनके परिवार का एक सदस्य कोविड पॉजिटिव पाया गया जिसके कारण मेहमान टीम चौथे टेस्ट के लिए बेहद सीमित कोचिंग स्टाफ के साथ तैयारी कर रही है। तेज गेंदबाजी कोच जॉन लुईस, स्पिन मार्गदर्शक जीतन पटेल और स्ट्रेंथ एवं अनुकूलन कोच डेरेन वेनेस भी पॉजिटिव पाए गए हैं। आगामी मैच के लिए अब सहायक कोच ग्राहम थोर्प टीम के प्रभारी हैं। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज थोर्प की मदद नॉटिंघमशर के एंट बोथा और इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर जेम्स फोस्टर कर रहे हैं। गोल्ड कोस्ट में रहने वाले होलियोक को रविवार को मेहमान टीम से जुड़ने को कहा गया है। रविवार को हालांकि मीडिया में आई खबरों में कहा गया कि 50 साल के होलियोक का एक करीबी संपर्क पॉजिटिव पाया गया है। दुनिया भर की तरह हाल के हफ्तों में आस्ट्रेलिया में भी कोविड मामलों में इजाफा हुआ है।

इंग्लैंड के लिए बुरी खबर, सिडनी टेस्ट से पहले कोरोना प्रकोप, 9 लोग हुए पॉजिटिव

सिडनी (एजेंसी) ।

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के लिए एक और बुरी खबर आई है। इंग्लैंड का एक नेट बॉलर और एक स्पोर्ट स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। अब तक इंग्लैंड के खेमे में 9 लोग कोविड से संक्रमित हो चुके हैं। इसके अलावा मैच रेफरी डेविड बून, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ट्रेविस हेड और कमेंट्री पैनल में शामिल पूर्व दिग्गज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा भी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 5 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्रांउड में खेला जाना है। इंग्लैंड की टीम पहले ही एशेज सीरीज गंवा चुकी है और 0-3 से पिछड़ रही है। इंग्लैंड के खेमे में अब तक 9 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोच क्रिस सिल्वरवुड के परिवार के सदस्य भी कोविड पॉजिटिव निकले हैं। सिल्वरवुड उनके करीब संपर्क में थे और वो चौथे टेस्ट में टीम के साथ नहीं होंगे। इस बीच खबर है कि एशेज सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद सिल्वरवुड को कोच के पद से हटाया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका और भारत के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने इस पद के लिए इच्छा जताई है।

एशेज सीरीज के ब्रॉडकास्ट चैनल की कमेंट्री पैनल का हिस्सा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्लेन मैक्ग्रा भी कोविड का शिकार हो गए हैं। उनसे पहले मैच रेफरी डेविड बून कोरोना पॉजिटिव पाए गए। ऐसे में दोनों अब चौथे टेस्ट में नजर नहीं आएंगे। बून की जगह अब स्टीव बर्नार्ड एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में रेफरी की भूमिका नजर आएंगे। खिलाड़ियों की बात करें तो सिडनी टेस्ट से पहले सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ही कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। हेड चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उनकी जगह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम में मिचेल मार्श, निक मैडिसन और जोश इंग्लिश को शामिल किया है। हालांकि सिडनी टेस्ट में हेड की जगह उस्मान ख्वाजा को मौका दिए जाने की अधिक संभावना है। हेड की तरह ही उस्मान ख्वाजा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित हुए थे सौरव गांगुली, अस्पताल ने किया खुलासा

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली की जांच में कोविड-19 के डेल्टा प्लस स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया इसके गंभीर नहीं होने के कारण उन्हें चार दिन बाद छुट्टी दे गई और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पृथकवास में रहते हुए इससे उबर जाएंगे। अधिकारी ने कहा गांगुली के नमूनों की जांच में डेल्टा प्लस स्वरूप पॉजिटिव मिला है। हम इसका इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा गांगुली को ओमिक्रॉन स्वरूप के लिए जांच में नेगेटिव आने के बाद शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई थी। वह अगले एक पखवाड़े के लिए डॉक्टरों की देखरेख में घर में पृथकवास रहेंगे। कोरोना के आरटी-पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव आने के बाद 49 वर्षीय गांगुली को एहतियात के तौर पर सोमवार रात को वुडलैंड्स मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उन्हें मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कॉकटेल थेरेपी दी गई थी। गांगुली को इस साल के शुरू में दो बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हृदय संबंधी कुछ समस्याओं के कारण उनकी आपात एंजियोप्लास्टी की गई थी। उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली भी इस साल के शुरू में कोरोना से संक्रमित हो गए थे।

पूर्व कप्तान आथर्टन बोले- इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर नहीं होना चाहिए

लंदन (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में अंग्रेज टीम के खराब प्रदर्शन के मद्देनजर पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने कहा है कि देश के क्रिकेटरों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर नहीं होना चाहिए। इंग्लैंड की टीम शुरुआती तीन मैचों में करारी हार के बाद पहले ही आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला गंवा चुकी है और टीम के लचर प्रदर्शन की पूर्व खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। आथर्टन ने अपने कॉलम में लिखा, ‘खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर नहीं रहना चाहिए, ना ही कहीं और खेलने के लिए आराम दिया जाना चाहिए और ना ही रोटेट किया जाना चाहिए।’ लुभावने आईपीएल के संदर्भ में इस पूर्व कप्तान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद के प्रारूप में इंग्लैंड की टीम के प्रदर्शन में सुधार के लिए सुझाव दिए। आथर्टन ने कहा, ‘कई प्रारूप में खेलने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को सात अंक में धनराशि दी जाती है लेकिन अजीब है कि साल के दो महीने इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान ईसीबी उनसे हाथ धो बैठता है।’ उन्होंने कहा, ‘खिलाड़ियों को बताया जाना चाहिए कि ईसीबी आईपीएल में खेलने के आग्रह पर विचार करेगा लेकिन उनका अनुबंध पूरे 12 महीने का है ओर आईपीएल तथा अन्य फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाना इस पर निर्भर करता है कि यह इंग्लैंड टीम के सर्वश्रेष्ठ हित में हो।’ इंग्लैंड की 1993 से 2001 के बीच 54 टेस्ट में कप्तानी करने वाले आथर्टन का मानना है कि पांच दिवसीय प्रारूप में बेन स्टोक्स मौजूदा कप्तान जो रूट की जगह लेने के लिए व्यावहारिक विकल्प हैं। पिछले साल बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले रूट की आस्ट्रेलिया में कप्तानी को लेकर आलोचना हुई है। आथर्टन ने लिखा, ‘चयन से लेकर रणनीति पर इतनी अधिक गलतियां की गई कि कप्तान को निजी तौर पर जिम्मेदारी लेनी होगी। रूट अगर मैदान पर चीजें सही करते तो यह इससे काफी अधिक करीबी श्रृंखला होती।’

‘टर्बनेटर’ भज्जी बोले- किस्मत ने मेरा खूब दिया पर बीसीसीआई ने नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के ‘टर्बनेटर’ उर्फ पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी के बाद अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर हमला बोला है। भज्जी का कहना है कि उन्हें और खेलने का मौका मिलता तो वह कम से कम 100 से 150 विकेट और चटकाते। हरभजन ने पिछले महीने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था। भज्जी ने अपने टेस्ट करियर में 103 टेस्ट मैचों में कुल 417 विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने 5 विकेट हॉल 10 बार अपने नाम किया। 236 वनडे इंटरनेशनल मैचों में हरभजन के नाम 269 विकेट हैं। यह पूछने पर कि आपने टेस्ट में 417 विकेट लिए और यह आंकड़ा 617 भी हो सकता था। अगर आपको बीसीसीआई से या आपके आसपास जो माहौल था वह थोड़ा और सपोर्टिव होता। एक इंटरव्यू में भज्जी ने कहा, ‘देखिए किस्मत ने मेरा बखूबी साथ दिया। लेकिन आसपास के जो फैक्टर थे उन्होंने थोड़ा साथ नहीं दिया। शायद वह पूरी तरह से मेरे खिलाफ थे। क्योंकि जिस तरह से मैं बोलिंग कर रहा था और जिस रफ्तार से मैं आगे बढ़ रहा था। 31 साल की उम्र में जब कोई 400 विकेट ले लेता है तो निश्चिततौर पर अगर वह अगले 4 या 5 साल भी क्रिकेट खेलता है तो मैं ज्यादा नहीं मेरे स्तर के हिसाब से यह कह सकता हूं कि 100 या 150 और विकेट तो लेता ही।’ हरभजन सिंह काफी समय तक भारतीय टीम के नंबर वन स्पिनर रहे। लेकिन साल 2011 के वर्ल्ड कप के बाद टीम में उनकी जगह पक्की नहीं रही। इसके बाद उन्होंने भारत के लिए बहुत कम मैच ही खेले। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से उन्हें ड्रॉप कर दिया गया था। वह 2015 वर्ल्ड कप की टीम का भी हिस्सा नहीं थे। हालांकि 2016 में भारत में हुए टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं दिया गया था। बकौल भज्जी, ‘टीम का चयन हमेशा ही कप्तान और कोच से परे होता है। हां उस समय धोनी कप्तान थे लेकिन मुझे लगता है कि सिलेक्शन धोनी से ऊपर उठकर होते थे। काफी हद तक इसमें बोर्ड के कुछ अधिकारी भी शामिल होते थे। ये अधिकारी मुझे नहीं चाहते थे। ऐसे में कप्तान खिलाड़ी का समर्थन कर सकता है, लेकिन कप्तान कभी भी बीसीसीआई से ऊपर नहीं हो सकता। बोर्ड अधिकारी हमेशा ही कप्तान, कोच या टीम से बड़े रहे हैं। उन दिनों पता नहीं चलता है कि कौन आपके पक्ष में है और कौन नहीं। बहुत लोगों ने अटकलें लगाई कि किसी तरह से मेरा टेस्ट करियर खत्म हो जाए।

इंडोनेशिया के साथ आसियान फुटबॉल फेडरेशन (एएफएफ) सुजुकी कप 2020 के दूसरे चरण का फाइनल मैच जीतने के बाद जश्न मनाती थाईलैंड की टीम।

पेपर लीक कांड का विरोध करने पर 'आप' नेता को झूठे केस में फंसाया : अरविंद केजरीवाल

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर लीक होने के मामले का विरोध करने पर उसने आप नेता ईसुदान गढ़वी को साजिशन झूठे केस में फंसाया है। इस संदर्भ में अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया है, जिसमें लिखा ङ्क गुजरात में बार-बार पेपर लीक कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किया जाता है, जब आम आदमी पार्टी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई तो आप नेता ईसुदान गढवी पर साजिशन झूठे आरोप लगा दिए गए। 27 साल से गुजरात में सत्ता बैठी भाजपा युवाओं को रोजगार देने के बजाए गंदी राजनीति कर रही है। गौरतलब है कि पेपर लीक कांड के विरोध में आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के अलावा ईसुदान गढ़वी समेत पार्टी के अन्य नेता और कार्यकर्ताओं ने गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में भारी हंगामा किया था। उस दौरान भाजपा की महिला कार्यकर्ता ने ईसुदान गढ़वी पर शराब के नशे में छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद ईसुदान गढ़वी का गांधीनगर में मेडिकल टेस्ट कराया गया था, जिसमें उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। लेकिन कल ब्लड रिपोर्ट में लिकर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

15 से 18 वर्ष के किशोरों के लिए वैक्सीनेशन की मेगा ड्राइव आज से, ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

अहमदाबाद। गुजरातभर में सोमवार से 15 से 18 वर्षीय किशोरों को कोविड-19 से सुरक्षित रखने के लिए वैक्सीनेशन की मेगा ड्राइव शुरू हो जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत राज्यभर में करीब 35 लाख से अधिक किशोरों का टीकाकरण किया जाएगा। 3 जनवरी से राज्य की स्कूलों और अन्य स्थलों पर अलग अलग सेशन चलाकर 15 से 18 वर्षीय किशोरों का वैक्सीनेशन किया जाएगा। दिव्यांग संस्था, अनाथाश्रम के साथ ही मानसिक रूप से अस्वस्थ किशोरों को संभालने वाली संस्थाओं में भी टीकाकरण किया जाएगा। स्कूल में वैक्सीन लेनेवाले विद्यार्थियों का उन्हीं स्कूलों में रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके लिए स्कूल के 3-4 कमरों का उपयोग किया जाएगा। एक कमरे में रजिस्ट्रेशन और दूसरे कमरे में टीकाकरण किया जाएगा। जबकि अन्य दो कमरों में विद्यार्थियों को ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। वैक्सीनेशन के लिए कोविन एप पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। कोविन एप पर किशोर का नाम-पता और एरिया का पिनकोड डालने के पश्चात सूची में टीकाकरण केन्द्र का चयन करना होगा। साथ ही वैक्सीनेशन की तारीख, समय और वैक्सीन का चयन करना होगा। रजिस्ट्रेशन पूर्ण होने के बाद मोबाइल पर कन्फोर्मेशन का मैसेज आ जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद चुने गए केन्द्र पर जाकर वैक्सीन लगवाई जा सकेगी। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा सकेगा।

पहला टीका लगवाने के 28 दिनों के बाद दूसरी वैक्सीन दी जाएगी। विद्यार्थी अपने स्कूल के पहचान पत्र का आईडी प्रूफ के तौर पर उपयोग कर सकते हैं। जिनके पास कोई पहचान पत्र नहीं है वे अपने मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करवाकर टीका लगवा सकते हैं। 15 से 18 वर्षीय किशोर अपने माता-पिता के मोबाइल नंबर के आधार पर भी वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके अलावा दोस्त या स्कूल के आचार्य के मोबाइल नंबर से विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

प्यार करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन लव जिहाद बर्दाश्त नहीं : गृह राज्यमंत्री

भावनगर। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने लव जिहाद को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भावनगर के पालीताणा में हर्ष संघवी ने कहा कि प्यार करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन राज्य में लव जिहाद की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। एक षडयंत्र के तहत विधर्मी युवक भोली-भाली युवतियों को फंसा रहे हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ गुजरात पुलिस सख्ती से कार्यवाही करेगी। बता दें कि जैनों के पवित्र तीर्थ स्थल पालीताणा में कुछ समय पहले दो हिन्दू युवतियों को विधर्मी युवक भगा ले गए थे, जिसे लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। आज पालीताणा पहुंचे गृह राज्य मंत्री ऐसे जिहादियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि प्यास करना बुरी बात नहीं है, लेकिन अपनी पहचान छिपाकर फर्जी दस्तावेज बनाकर हिन्दू युवतियों को अपने प्रेमजाल में फंसाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गुजरात में लव जिहाद की कोई भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसके दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसलिए किसी को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए की वह लव जिहाद को अंजाम देने के बाद बच जाएंगे। हर्ष संघवी ने माता-पिता से भी अपने बेटियों का खास ध्यान रखने की नसीहत देते हुए कहा कि कोई उन्हें फंसाने का प्रयास तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा कोई प्रयास करेया दबाव बनाने का प्रयास करे तो फौरन पुलिस का संपर्क करें। हर्ष संघवी ने कहा कि लड़कियों की पहचान जाहिर न हो और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जिम्मेदारी मैं लेता हूं। ऐसे लव जिहादियों के खिलाफ पुलिस ऐसी कार्यवाही करेगी कि उनकी सात पीढियों में कोई लड़की फंसाने का प्रयास नहीं करेगा। हर्ष संघवी ने लव जिहाद के मामले में न्याय की मांग कर रहे पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन भी दिया। भावनगर के पालीताणा को अहिंसा की भूमि बताते हुए इसे शाकाहारी शहर घोषित किया गया है। भारत के इतिहास में पालीताणा तप की भूमि मानी जाती है, ऐसे में इसे शाकाहारी शहर रखने पर जोर दिया जाएगा। पालीताणा जैन समुदाय के आस्था का केन्द्र है और किसी की आस्था को ठोस नहीं पहुंचे, इसके लिए पुलिस कड़ी कार्यवाही करेगी। उन्होंने कहा कि कोई क्या खाता है क्या नहीं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। परंतु आस्था के साथ भोजन को लेकर छेड़छाड़ तनिक भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजपूत बॉईज ग्रुप सुरत द्वारा 107 युनिट रक्त हुए एकत्रित

सूरत। गोड़ादरा के महाराणा प्रताप सर्कल पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के स्मारक को 365 दिन उन्होंने पुणे के अवसर पर राजपूत बॉइज ग्रुप द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर गोड़ादरा के महाराणा प्रताप नगर भव्य रक्तदान शिविर में 160 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस अवसर सूरत शहर भारतीय जनता पार्टी उप प्रमुख छोटू भाई पाटिल ने उपस्थित होकर रक्त दाताओं को सम्मानित किया।

फिर एक बार बेमौसमी की संभावना ने किसानों की बढ़ाई चिंता

अहमदाबाद। मौसम विभाग ने राज्य में 5 जनवरी को राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। इस संभावनाओं ने राज्य के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दो-तीन दिन के दौरान पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य में 4-5 दिन ठंड का जोर घटेगा। शनिवार से शीतलहर का जोर घटने से राज्य में ठंड कम हुई है। जो आगामी 4-5 दिनों में और कम होगा और 5 जनवरी को उत्तर गुजरात के कई जिलों में बेमौसमी बारिश हो सकती है। 5 जनवरी को उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली और महीसागर जिले में छुटपुट बारिश हो सकती है। रवि फसल के दौरान बेमौसमी बारिश की संभावना से किसान फिर एक बार अपनी कृषि फसलों को लेकर चिंतित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 8 जनवरी के बाद राज्य में ठंड फिर अपना असर दिखाएगी। 8 से 10 जनवरी के दौरान उत्तरीय पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है। 16 और 18 जनवरी को भी मौसम का मिजाज बदलेगा, आसमान में बादलों का जमावडा रहेगा और ठंड भी अपना असर दिखाएगी। 19 से 21 जनवरी के दौरान भी उत्तरीय पर्वतीय क्षेत्रो में फिर बर्फबारी होगी, जिसका असर गुजरात के मौसम पर होगा। बार बार मौसम बदलने की वजह से बार बार बेमौसमी बारिश हो रही है और उसके कारण कृषि फसलों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में फिर एक बार मौसम विभाग ने गुजरात में बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। बेमौसमी बारिश से राज्य में जीरा, मसाला, सब्जी और कपास समेत अन्य कृषि फसलों को नुकसान होगा।

गुजरात में 24 घंटों में कोरोना के 968 नए मामले, 141 हुए ठीक, वलसाड में एक मौत

अहमदाबाद। गुजरात में एक ही दिन में कोरोना के 968 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 141 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। वहीं वलसाड में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई। आज राज्य में ओमिक्रॉन का एक केस दर्ज नहीं हुआ। ओमिक्रोन के राज्य में फिलहाल 51 सक्रिय मरीज हैं। आज राज्यभर में 1.01 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में आज भी कोरोना के सबसे अधिक 396 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। सूरत कॉर्पोरेशन में 209, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 64, राजकोट कॉर्पोरेशन में 40, खेडा में 36, आणंद में 29, वलसाड में 21, नवसारी में 21, राजकोट में 20, कच्छ में 11, गांधीनगर में 14, भरुच में 9, भावनगर कॉर्पोरेशन में 9, अहमदाबाद में 8, गांधीनगर में 6, गिर सोमनाथ में 5, वडोदरा में 5, अमरेली में 4, जूनागढ़ में 4, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 4, महीसागर में 4, देवभूमि द्वारका में 3, मेहसाणा में 3, मोरबी में 3, तापी में 3, बनासकांठा में 2, जामनगर में 2, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2, पंचमहल में 2, साबरकांठा में 2 और भावनगर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 968 नए केस दर्ज हुए हैं। जबकि 141 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 43, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 30, कच्छ में 22, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 6, नवसारी में 5, राजकोट में 5, आणंद में 4, वलसाड में 4, अमरेली में 4, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 3, अहमदाबाद में 2 और खेडा में एक व्यक्ति शामिल है। इसी के साथ राज्य में कोरोना को मात देकर स्वस्थ होनेवालों की संख्या 818896 हो गई है। आज वलसाड में एक मरीज की मौत के राज्य में कोरोना का मृतांक 10120 पर पहुंच गया। फिलहाल राज्य में कोरोना के 4153 सक्रिय मरीजों में 414। स्टेबल हैं और 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में

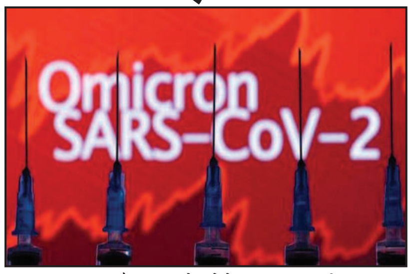

ओमिक्रॉन का एक भी मामला सामने नहीं आया। अब तक दर्ज कुल 136 मामलों में 85 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 10141 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। 1 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 119 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2411 को पहला और 2085 कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। वहीं 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 9430 को कोविड की पहली और 6855 लोगों को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। राज्य में अब तक 8 करोड़ 96 लाख 88 हजार 888 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

कृषि, ऊर्जा और पेट्रोरसायन राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की उपस्थिति में ओलपाड तालुका के मोर गांव में स्वास्थ्य-कल्याण केंद्र में मोर, भगवा, देवाया युवा मंडल और आर.वी. वेलफेयर फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 120 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

सूरत के कतरगाम में 'प्राकृतिक खेती जागरूकता समारोह और कृषि प्रदर्शनी' का उद्घाटन कृषि मंत्री राघवजीभाई पटेल द्वारा किया गया।राज्य सरकार ने पिछले 5 वर्षों में समर्थन मूल्य पर 20,000 करोड़ रुपये के कृषि उत्पाद खरीदे हैं।किसानों पर वित्तीय बोझ से बचने के लिए राज्य सरकार हर साल कृषि बिजली के लिए 7,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देती है।राज्य सरकार राज्य में अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक कृषि में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक कृषि में गुजरात के किसानों का नेतृत्व करने से देश को नई दिशा मिलेगी:- कृषि मंत्री

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)